दैनिक
नवयत्न
खबरें सड़क से संसद तक
केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा विज्ञापनों के लिए स्वीकृत
RNI No. RAJHIN/2010/31619
Post.Reg No. sikar/041/2016-2018
वर्षः 17 | अंक 99 | सीकर, रविवार 07 जून 2026 | Email : navyatndainik@gmail.com | मूल्य 1 रुपया | पृष्ठ 8

जनगणना : अधिकारियों को दिए गुणवत्ता सुधार के निर्देश

संजय सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। नगर परिषद झुंझुनू के जनगणना अधिकारी एवं आयुक्त देवीलाल बोचल्या द्वारा शनिवार को जनगणना 2027 के प्रथम चरण के तहत मकान सूचीकरण एवं गणना से जुड़े फील्ड कार्यों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सुपरवाइजर्स एवं प्रगणकों को कार्य समय पर पूर्ण करने के निर्देश देते हुए संदिग्ध एवं त्रुटिपूर्ण प्रविष्टियों की पहचान कर उन्हें सुधारने पर जोर दिया। साथ ही जनगणना कार्य के दौरान एकत्रित किए जा रहे डेटा को गुणवत्तापूर्ण तरीके से सिंक करने के निर्देश भी प्रदान किए गए। इस दौरान जिला परियोजना अधिकारी अरुण कुमार जाखड़, स्वाति चौधरी एवं निशा पूनिया सहित सुपरवाइजर्स एवं प्रगणक मौजूद रहे। अधिकारियों ने फील्ड कार्य पर संतोष व्यक्त करते हुए एचएलओ पर सिंक किए गए डेटा की पुनः जांच करने के निर्देश दिए। जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं गणना कार्य को सुव्यवस्थित एवं त्रुटिरहित बनाने के लिए विभाग द्वारा लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है।

नेखमबंदी के नाम पर रिश्वत लेते राजस्व निरीक्षक गिरफ्तार

निसं

जयपुर (नवयत्न)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो एसीबी की बालोतरा टीम ने शनिवार को कार्रवाई करते हुए बाड़मेर जिले की सेड़वा तहसील के सारला क्षेत्र में कार्यरत राजस्व निरीक्षक धनराज को अठारह हजार रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। एसीबी महानिदेशक पुलिस गोविंद गुप्ता ने बताया कि ब्यूरो को शिकायत मिली थी कि ग्राम बीसासर निवासी परिवादी की जमीन की नेखमबंदी करने के बदले आरोपी राजस्व निरीक्षक धनराज द्वारा 32 हजार रुपए रिश्वत की मांग की जा रही थी। शिकायत के अनुसार आरोपी पहले ही परिवादी से 12 हजार रुपए ले चुका था तथा शेष राशि के रूप में 18 हजार रुपए की मांग कर रहा था। शिकायत के सत्यापन के बाद एसीबी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कैलाशदान जुगतावत के नेतृत्व में बालोतरा टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपित राजस्व निरीक्षक को परिवादी से 18 हजार रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया। एसीबी के अनुसार आरोपित धनराज, सारला क्षेत्र, तहसील सेड़वा, जिला बाड़मेर में राजस्व निरीक्षक के पद पर कार्यरत है। कार्रवाई के बाद आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

एक ही प्लॉट के कई फर्जी पट्टे बनाकर करोड़ों की धोखाधड़ी करने वाला गिरफ्तार

जयपुर (नवयत्न)। विश्वकर्मा थाना पुलिस ने वांछित अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए एक ही प्लॉट के कई फर्जी पट्टे बनाकर बैंक और आमजन से धोखाधड़ी करने वाले 10 हजार रुपए के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पिछले चार वर्षों से फरार चल रहा था और उसके खिलाफ धोखाधड़ी के कई गंभीर मामले दर्ज हैं। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी प्रदीप सिंह शेखावत 36 निवासी सुलताना जिला झुंझुनू है। आरोपी और उसके साथियों द्वारा एक ही भूखंड के तीन-चार फर्जी पट्टे तैयार कर विभिन्न बैंकों से ऋण लिया जाता था। इसके बाद उन्हीं भूखंडों को अलग-अलग लोगों को बेचकर लाखों रुपए की ठगी की जाती थी। मामलों के दर्ज होने के बाद से आरोपी लगातार फरार चल रहा था।

मानसून महाराष्ट्र-आंध्र तक पहुंचा
एमपी-छत्तीसगढ़ में देर से पहुंचेगा

केरलम में बारिश का रेड अलर्ट, वायनाड-कासरगोड में स्कूल बंद, ट्रेकिंग पर रोक

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर/लखनऊ।

तीन दिन की देरी के बाद मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। शनिवार को यह आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, मिजोरम और मणिपुर पहुंच गया। इससे पहले यह केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु और गोवा में एंट्री कर चुका है।

केरल के मलप्पुरम, कोझिकोड, वायनाड, कन्नूर और कासरगोड में बारिश का रेड अलर्ट जारी है। त्रिशूर में पेड़ गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। वायनाड और कासरगोड में स्कूल बंद हैं, जबकि ट्रेकिंग और पहाड़ी रास्तों पर रात की यात्रा पर रोक लगाई गई है।

बिहार में बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हुई। गुजरात को छोड़कर देशभर में प्री-मानसून गतिविधियां तेज हैं। राजस्थान, एमपी, यूपी, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश के कारण ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

आईएमडी के मुताबिक अगले तीन दिनों में मानसून पूर्वोत्तर के सभी राज्यों और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों तक पहुंच सकता है। अगले 10 दिनों में इसके बिहार, झारखंड और ओडिशा पहुंचने की संभावना है।

स्काईमेट वेदर के एक्सपर्ट जीपी शर्मा के मुताबिक एमपी, छत्तीसगढ़, ओडिशा और बंगाल में मानसून की रफ्तार फिलहाल धीमी रह सकती है, क्योंकि इसे आगे बढ़ाने के लिए बंगाल की खाड़ी में कोई मजबूत मौसम सिस्टम एक्टिव नहीं है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एसएमएस में ओपीडी सेवाओं का किया औचक निरीक्षण

जयपुर।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को सवाई मानसिंह अस्पताल पहुंचकर ओपीडी सेवाओं का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों की ओपीडी में चिकित्सा व्यवस्थाओं, दवाओं, जांच सहित साफ-सफाई के संबंध में अस्पताल प्रशासन से विस्तृत जानकारी ली। साथ ही, उन्होंने रोगियों एवं उनके परिजनों से आत्मीयता से बातचीत की तथा उनसे मिले फीडबैक के आधार पर स्वास्थ्य सेवाओं में आवश्यक सुधार के लिए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भीलवाड़ा दौरे से जयपुर वापसी पर अचानक एसएमएस अस्पताल पहुंचे। जहां उन्होंने धन्वंतरी भवन में ओपीडी सेवाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान मेडिसिन, ऑर्थो, कार्डियो, न्यूरो सहित अन्य विभागों की ओपीडी सेवाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि सवाई मानसिंह अस्पताल देश का प्रतिष्ठित अस्पताल है। यहां प्रदेश के साथ दूसरे राज्यों के रोगी भी उपचार के लिए आते हैं, जिसके चलते रोगी भार अधिक रहता है। इसे देखते हुए अस्पताल प्रशासन सेवाओं में विस्तार और तकनीकी उपाय अपनाकर रोगियों को सुगम एवं सुलभ उपचार उपलब्ध करवाए। उन्होंने कहा कि रोगियों को जांच और दवाओं के लिए अन्यत्र नहीं जाना पड़े, इसके लिए संबंधित विभाग की ओपीडी में ही जांच और दवा काउंटर की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। वहीं, उन्होंने अस्पताल परिसर में रोगियों और उनके परिजनों के लिए बैठने एवं पेयजल आदि की पर्याप्त व्यवस्था करने के साथ ही साफ-सफाई रखने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत में कहा कि राज्य सरकार सवाई मानसिंह अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बना रही है, जिससे यहां मरीजों को समय पर उचित उपचार मिल सके।

कचरे के ढेर में मिला मानव भ्रुण

जयपुर (नवयत्न)। जयसिंहपुरा खोर थाना क्षेत्र में कचरे के ढेर में मानव भ्रूण मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने भ्रूण को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवाया है। मामले की जांच की जा रही है। थानाधिकारी मुकेश कुमार ने बताया कि जयसिंहपुरा खोर स्थित जेडीए सी-ब्लॉक के क्वार्टरों के पीछे राहगीरों को कचरे के ढेर में मानव भ्रुण पड़ा दिखाई दिया। इसकी सूचना मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। सूचना पर पुलिस टीम भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने मौके से आवश्यक साक्ष्य जुटाने के बाद भ्रुण को कब्जे में लेकर जेके लोन अस्पताल भिजवाया। प्रारंभिक जांच में भ्रुण करीब ढाई माह का प्रतीत हो रहा है। पोस्टमार्टम की कार्रवाई के लिए उसे अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया गया है।

भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ कांग्रेस की जन आक्रोश रैली

निसं

तारानगर (नवयत्न)। भाजपा सरकार की विफलताओं, महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, पेयजल, बिजली समस्या सहित जनविरोधी नीतियों के विरोध में कांग्रेस की ओर से जन आक्रोश रैली का आयोजन किया गया। तारानगर विधानसभा क्षेत्र से आए सैंकड़ो कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विधायक नरेन्द्र बुड़ानिया के नेतृत्व में गढ़ चोक से मुख्य बाजार होते हुए नगरपालिका तक जन आक्रोश रैली निकाली। रैली में कार्यकर्ताओं ने हाथ मे सरकार विरोधी बैनर लेकर भाजपा सरकार के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए अपना रोष प्रकट करते हुए नगरपालिका कार्यालय पहुंचे।

जंहा एसडीएम व तहसीलदार को महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, पेपर लीक, बिजली, पानी, नहर सहित 10 सूत्री मांगों का मांगपत्र सौंपा। इससे पहले गढ़ चोक में आयोजित जनसभा में कांग्रेस नेताओं ने सरकार व सरकार के नुमाइंदो को घेरते हुए आड़े हाथ लिया। सभा को सम्बोधित करते हुए विधायक नरेन्द्र बुड़ानिया ने कहा कि भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफलम्हो चुकी है जिस कारण प्रदेश की जनता त्रस्त है। राजस्थान प्रदेश सहित देशभर में महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, डीजल-पैट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी, बिजली कटौती, पेयजल की समस्या, पेपर लीक माफिया और बढ़ते अपराध चिंता का विषय बन गए हैं। केंद्र व राज्य भाजपा सरकार पूरी तरह नाकाम साबित हो रही है। पिछले एक माह में पेट्रोल-डीजल की कीमतें तीन बार बढ़ने से रसोई का बजट बिगड़ गया है। आम आदमी की क्रय शक्ति खत्म हो चुकी है। विधायक बुड़ानिया ने आगे कहा तारानगर भ्रष्टाचार का गढ़ बन गया है। सरकार के नुमाइंदों ने हर विभाग में दलाल बैठा रखें है जो मंथली वसूल रहे है कांग्रेस राज में उन दलालों व भ्रष्टाचार फैलाने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को बख्शा नही जाएगा। चूरू सासंद राहुल कस्वा ने कहा भाजपा सरकार विकास के नाम पर लोगों को झूठ बोलकर गुमराह करने का काम करती है। मोदी के राज में महंगाई व भ्रष्टाचार चरम पर है जनता लूट रही है लेकिन इससे उनको कोई फर्क नहीं पड़ता। किसान विरोधी भाजपा के मुख्यमंत्री अपने आप को किसान का बेटा कहते है लेकिन उन्हें असल मे किसानों की कोई चिंता नहीं है।आने वाले समय में जनता भाजपा को माफ नहीं करेगी और सबक सिखाके रहेगी।

इंश्योरेंस कंपनी को 55 हजार की शास्ति और बीमा धन देना होगा : आयोग

देरी से सूचना देने का हवाला देकर 5 लाख का दावा खारिज करना पड़ा भारी

संजय सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग झुंझुनू के अध्यक्ष मनोज कुमार मील एवं सदस्य प्रमेंद्र कुमार सैनी की पीठ ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी को मृतक किसान सदस्य की नामित माँ को 5 लाख रुपये की बीमा राशि देने का आदेश दिया है। उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष एवं पीठासीन अधिकारी मनोज मील ने सहकारी समिति के माध्यम से बीमा सुरक्षा लेने वाले मृतक किसान के संबंधित क्लेम राशि का भुगतान करने के मामले में बीमा कंपनी के रवैये को अनुचित कार्य व्यवहार, अनुचित व्यापार प्रथा एवं सेवा में कमी मानते हुए बीमा कम्पनी पर विशेष रूप से 55 हजार रुपये की शास्ति भी लगाई है। यह शास्ती राशि राजस्थान राज्य उपभोक्ता कल्याण कोष में जमा करवा कर जमा की रसीद उपभोक्ता आयोग के कार्यालय में प्रस्तुत करनी होगी। ऐसा करने में बीमा कम्पनी के असफल रहने पर आयोग के रीडर को राजस्थान राज्य उपभोक्ता कल्याण कोष जयपुर की ओर से आयोग के रीडर को इजराय कार्यवाही करने के लिए अधिकृत किया गया है। मामले के अनुसार रघुनाथपुरा निवासी अनुप देरवाला ग्राम सेवा सहकारी समिति का सदस्य था तथा समूह व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना के तहत 5 लाख रुपये के लिए बीमित था। 3 अक्टूबर 2016 को हुए एक हिंसक झगड़े में उसकी मृत्यु हो गई। इसके बाद उसकी माँ सुमित्रा बेनीवाल ने बीमा दावा प्रस्तुत किया। बीमा कंपनी ने दावा खारिज करते हुए कहा कि घटना की सूचना उसे 78 दिन बाद दी गई जबकि पॉलिसी की शर्तों के अनुसार सूचना तत्काल दी जानी चाहिए थी। कंपनी ने यह भी तर्क दिया कि मृतक स्वयं आपराधिक मंशा से घटना में शामिल था, इसलिए दावा स्वीकार नहीं किया जा सकता। बीमा कम्पनी से क्लेम दावा खारिज होने पर मृतक किसान अनूप की माँ सुमित्रा देवी ने उपभोक्ता आयोग में बीमा कम्पनी के खिलाफ परिवाद प्रस्तुत किया। सुनवाई के दौरान उपभोक्ता आयोग ने पाया कि मृतक के परिजनों ने घटना के कुछ दिनों बाद ही संबंधित बैंक एवं सहकारी समिति को सूचना दे दी थी। यदि दावा प्रपत्र या सूचना बीमा कंपनी तक विलंब से पहुंची, तो इसके लिए परिवादी को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। आयोग ने स्पष्ट कहा कि केवल 78 दिन की देरी को आधार बनाकर दावा खारिज करना न्यायोचित नहीं है, विशेषकर तब जब पुलिस जांच, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य अभिलेखों से मृत्यु का तथ्य स्थापित हो चुका हो।

उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार मील ने निर्णय में उल्लेख किया कि बीमा कंपनी और राजस्थान स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक के बीच हुए एमओयू में हत्या जैसी परिस्थितियों में भी बीमित सदस्य के उत्तराधिकारियों को 5 लाख रुपये की बीमा राशि देय है। इसके बावजूद बीमा कंपनी ने अपने दायित्व से बचने का प्रयास किया, जो उपभोक्ता संरक्षण कानून की भावना के विपरीत है। उपभोक्ता आयोग ने यह भी टिप्पणी की है कि कंपनी ने क्लेम दावा निस्तारण में सकारात्मक रुख नहीं अपनाया। आयोग ने इसे अनुचित कार्य-व्यवहार, अनुचित व्यापार प्रथा तथा सेवा में गंभीर कमी माना। उपभोक्ता आयोग के आदेश के अनुसार बीमा कंपनी को परिवाद दायर करने की तिथि से भुगतान तक 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित 5 लाख रुपये की बीमा राशि अदा करनी होगी। साथ ही मानसिक संताप के लिए 45 हजार रुपये तथा वाद व्यय के रूप में 5500 रुपये भी देने होंगे। इसके अतिरिक्त उपभोक्ता आयोग ने बीमा कंपनी पर 55 हजार रुपये की शास्ति लगाते हुए यह राशि राजस्थान राज्य उपभोक्ता कल्याण कोष जयपुर में जमा कराने का निर्देश दिया है। आदेश की निर्धारित अवधि में पालना नहीं होने पर देय राशि पर 12.5 प्रतिशत वार्षिक ब्याज देय होगा। इस निर्णय से यह स्पष्ट संदेश गया है कि बीमा कंपनियां केवल तकनीकी आधारों से वैध दावों को अस्वीकार नहीं कर सकती है। उपभोक्ता संरक्षण कानून की भावना के अनुरूप बीमाधारकों एवं उनके परिजनों के अधिकारों की रक्षा करना बीमा कंपनियों की जिम्मेदारी है तथा इसके उल्लंघन पर उन्हें जवाबदेह ठहराया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि पंचायत राज के चुनाव में मृतक अनूप की चुनाव को लेकर पारिवारिक झगड़े में मृत्यु हुई और उसके चाचा व चाचा के पुत्र की भी मृत्यु हुई थी।

कोबरी-सार

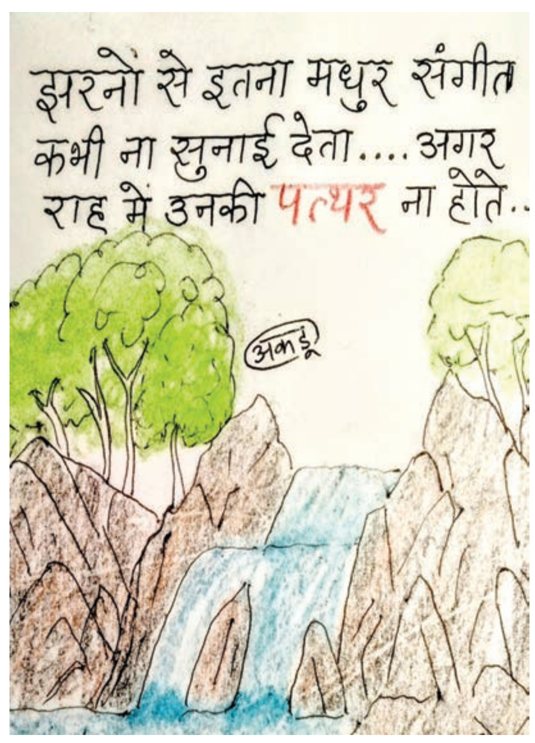

गौसेवी बागड़ी व व्यास की शोक सभा आज

निसं

नोखा (नवयत्न)। श्री गोवर्धन गौ शाला समिति कंवलीसर राजस्थान पेंशनर समाज नोखा और गौ भक्तों तथा सामाजिक संगठनों के कार्यकर्त्ता-पदाधिकारियों को भारी मन से सूचित कर रहे हैं कि श्री गोवर्धन गौ शाला कंवलीसर के दो आधार स्तंभ और पूर्ण समर्पित कर्मवीर हरखचंद बागडी और राजस्थान पेंशनर समाज नोखा के उपाध्यक्ष आदरणीय गुरूदेव जयदयाल व्यास नेत्रदानी का गत दिनों गौ लोक गमन हो गया।इन दोनों के सद्कार्यों से आप सभी भलीभांति अवगत हैं। केवल इस गौ शाला से ही नहीं अपितु नगर के अन्य कई सामाजिक संस्थाओं से भी आप दोनों का जुडाव रहा है। इन दोनों विभूतियों को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए श्रृद्धांजलि/भावांजलि का सामूहिक कार्यक्रम दिनांक 07.06.2026 रविवार को सांयकाल 05:15 बजे श्री कृष्ण मंदिर हॉलए सदर बाजार, नोखा में रखा गया है। आप सभी से अनुरोध है कि समय निकाल कर अधिकाधिक संख्या में पधारें तथा इन दोनों सामाजसेवी और गौ भक्तों को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करें।

रतनगढ़ से फतेहपुर तक नई रेल लाईन बिछाने की मांग

नवरतन वर्मा

रतनगढ़ (नवयत्न)। रेल सेवा समिति श्रीडूंगरगढ़ के अध्यक्ष तोलाराम मारू ने रेल मंत्री अश्विनी वेष्णव केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल को पत्र प्रेषित कर माग की है, कि रतनगढ़ से फ्तेहपुर की दूरी मात्र 30 किलो मीटर है। अतः रतनगढ़ से फतेहपुर तक नई रेल लाईन बिछाई जाये। क्योंकि बीकानेर से श्रीडूंगरगढ़, रतनगढ़ व जयपुर जाने वाली ट्रेन वाया चुरू से घूमकर फतेहपुर सीकर जयपुर जाती है। इससे समय अधिक लगता है। यदि रतनगढ़ से फतेहपुर सीधी रेल लाइन बिछाई जाती है तो यात्रियों को सफर में एक घटा कम लगेगा। रेलवे के राजस्व में वृद्धि होगी। तथा ईंधन की भी बचत होगी। इससे बीकानेर श्रीडूंगरगढ़ रतनगढ़ सुजानगढ़ व सरदारशहर के यात्रियों को बहुत बड़ी सुविधा मिलेगी। अतः विशेष बजट देकर रतनगढ़ से फतेहपुर तक रेल पटरी बिछाई जावे। इस संदर्भ में सामाजिक कार्यकर्ता रतनगढ़ निवासी जयपुर प्रवासी ओमप्रकाश प्रजापति रेल सेवा विस्तार सुविधा हेतु सदैव सक्रिय रहने वाले लाडनूं के प्रभात वर्मा व रतनगढ़ सुजानगढ़ श्रीडूंगरगढ़ के विभिन्न संगठनों ने व्यक्ति रतनगढ़ से फतेहपुर तक रेलवे पटरी बिछाने की माग लम्बे समय से कर रहे हैं। अतः यात्रियों के हित रेलवे के राजस्व वृद्धि को देखते हुए फतेहपुर रतनगढ़ रेल पटरी बिछाकर रेल सेवा शुरू की जाये। दूरी कम होने से यात्रियों को किराया भी कम लगेगा।

गुलेरिया बने जयपुर कैटरिंग डीलर समिति के अध्यक्ष

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। स्थानीय निवासी और जयपुर प्रवासी रामकरण गुलेरिया को जयपुर केटरिंग डीलर्स समिति के अध्यक्ष पर पर चुन लिया गया है। जानकारी के अनुसार द्विवार्षिक चुनाव 2026-28 के लिए अभिनंदन सामुदायिक केन्द्र सुभाष नगर में सम्पन्न हुए। इसमें रामकरण गुलेरिया भारी बहुमत से अध्यक्ष निर्वाचित हुए। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी संजय खण्डेलवाल को पराजित किया। अध्यक्ष रामकरण गुलेरिया ने टीम के प्रमुख मार्गदर्शक श्विवेक गुप्ता, दिनेश सैनी, नरेश गुप्ता, मनोज गर्ग, ओमप्रकाश सोढानी को अपनी जीत के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि अपने कार्यकाल में वो समिति के सदस्यों के हितों के लिए एवं समिति के चहुंमुखी विकास के लिए काम करेंगे। वहीं अध्यक्ष बनने के बाद समिति के सदस्यों ने मालाओं से लादकर और जुलूस निकालकर रामकरण गुलेरिया का स्वागत किया।

बारिश से शहर हुआ तर बतर

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। शहर में दिन भर तेज धूप और गर्मी के बाद शाम को शानदार बारिश हुई। धूल और अंधड़ के बाद आई बारिश ने सुजानगढ़ को तर बतर कर दिया। बारिश से शहर के निचले इलाकों में जल भराव देखा गया। बाइपास रोड पर अनेक जगह सड़क जलमग्न नजर आई। बारिश के कारण आम लोगों को तपन से रहता मिली है। निचले घरों में रहने वाले लोगों को जल भराव के कारण दिक्कतें हुई। अनेक स्थानों पर विद्युत पोल टूटने की भी जानकारी सामने आई है जिसके कारण विद्युत सप्लाई बाधित हुई। अनेक लोगों ने बारिश में नहाने का आनंद भी लिया।

एक के बाद एक भिड़े चार वाहन

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। सालासर रोड स्थित लोढसर गाँव के पास एक वाहन के अचानक ब्रेक लगने से पीछे से एक के बाद करके कुल चार वाहन भिड़ गए, जिससे सारे वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। शुक्र रहा कि कोई घायल या चोटिल नहीं हुआ। सूचना पर सदर पुलिस सुजानगढ़ मौके पर पहुंची। जानकारी के अनुसार लोढसर तेजाजी मंदिर के पास रोड पर सालासर साइड जा रही कार के अचानक ब्रेक लगाने से यह दुर्घटना हुई। टक्कर लगते ही मिस्त्री बोदुराम गोदारा और अन्य ग्रामीण वहाँ पहुंचे तथा स्थिति संभाली। टक्कर के बाद ट्रेलर, ट्रक रोड से साइड मे उतर गए। टक्कर बहुत जबरदस्त थी। सूचना पर हाईवे पेट्रोलिंग की टीम भी पहुंची तथा गाड़ियों को साइड में करवाया। इस दौरान थोड़ी देर के लिए यातायात भी बाधित हो गया।

हिंदुस्तान जिंक द्वारा राजस्थान में 250 हेक्टेयर के इकोलॉजिकल रेस्टोरेशन प्रोजेक्ट के लिए टीईआरआई के साथ एमओयू

निसं

उदयपुर (नवयत्न)। विश्व की सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड जिंक उत्पादक और शीर्ष 10 सिल्वर उत्पादक कंपनियों में से एक हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने राजस्थान में 250 हेक्टेयर के इकोलॉजिकल रेस्टोरेशन प्रोजेक्ट को विकसित करने के लिए द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट के साथ एमओयू साइन किया। इस प्रोजेक्ट से औद्योगिक परिसर में विश्व का सबसे बड़ा ग्रीन कवर एरिया विकसित होगा। चित्तौड़गढ़ जिले में हिंदुस्तान जिंक के चंदेरिया स्मेल्टिंग कॉम्प्लेक्स में शुरू होने वाली यह पहल औद्योगिक क्षेत्र को प्राकृतिक इकोसिस्टम के रूप में बदलने की कंपनी के प्रयासों में महत्वपूर्ण कदम है। यह सहयोग हिंदुस्तान जिंक के सस्टेनेबिलिटी गोल 2030 को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगा। इसका मकसद मापने योग्य सुधारों के जरिए बायोडायवर्सिटी के नुकसान को रोकना और उसे बदलना है, साथ ही लंबे समय में नेट पॉजिटिव इम्पैक्ट और प्रकृति-सकारात्मक नतीजों को सपोर्ट करने की दिशा में लगातार काम करना है। यह प्रोजेक्ट एक वैज्ञानिक, मल्टी-लेयर्ड इकोलॉजिकल रेस्टोरेशन अप्रोच को अपनाएगा, जिसमें स्थानीय इलाके के अनुकूल पेड़, झाड़ियाँ, जड़ी-बूटियाँ और घास शामिल होंगे।

इसमें बाहरी प्रजातियों के मैनेजमेंट, जल निकायों और जलीय इकोसिस्टम को सपोर्ट करने और लंबे समय तक रखरखाव और सुरक्षा प्रोटोकॉल विकसित करने के उपाय भी शामिल होंगे। टीईआरई उपयुक्त स्थानीय और अनुकूलनशील पौधों की प्रजातियों की पहचान करने में भी मदद करेगा और प्लानिंग, डिजाइन और इम्प्लीमेंटेशन के चरणों में विषय-विशेषज्ञों को शामिल करेगा। यह नया सहयोग चंदेरिया स्मेल्टिंग कॉम्प्लेक्स में टीआरआई के साथ हिंदुस्तान जिंक के लंबे समय से चले आ रहे सहयोग को और आगे बढ़ाता है। जारोफिक्स यार्ड में दो चरणों में 22.25 हेक्टेयर क्षेत्र में रेस्टोरेशन का काम पहले ही पूरा हो चुका है। इससे औद्योगिक जमीन को इकोलॉजिकल रूप से काम करने वाले और बायोडायवर्सिटी से पूरी तरह ग्रीन कवर में बदल दिया गया है। इसके साथ ही कॉम्प्लेक्स में सुरक्षित लैंडफिल के ऊपर 6 हेक्टेयर का बायोडायवर्सिटी पार्क बनाया जा रहा है। टीईआरआई की माइकोराइजा टेक्नोलॉजी के उपयोग से इस पहल के तहत लगभग 56400 स्थानीय पेड़ लगाए गए हैं, जिससे औद्योगिक क्षेत्र घनी हरियाली तैयार हुई है। इस उपलब्धि पर हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के सीईओ अरुण मिश्रा ने कहा किए हिंदुस्तान जिंक में हमारे कामकाज के तरीके में सस्टेनेबिलिटी सबसे महत्वपूर्ण है। पानी के सही प्रबंधन और सर्कुलरिटी से लेकर डीकार्बोनाइजेशन और बायोडायवर्सिटी के संरक्षण तक हमारा ध्यान जिम्मेदार और भविष्य के लिए तैयार कामकाज बनाने पर है। टीईआरआई के साथ हमारी साझेदारी इस प्रतिबद्धता को दर्शाती है, हम औद्योगिक जमीन को ऐसे मजबूत ग्रीन इकोसिस्टम में बदल रहे हैं जो स्थानीय बायोडायवर्सिटी और इकोलॉजिकल बहाली में मदद करते हैं। आईसीएमएम में शामिल होने वाली पहली भारतीय कंपनी के तौर पर हम सस्टेनेबल माइनिंग में ग्लोबल बेंचमार्क के साथ तालमेल बिठा रहे हैं और पर्यावरण, समुदायों और देश के लिए लंबे समय तक चलने वाला मूल्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह पहल हिंदुस्तान जिंक के व्यापक एनवायरनमेंट, सोशल और गवर्नेंस रोडमैप के अनुरूप है जो जमीन की बहाली, बायोडायवर्सिटी संरक्षण, पानी के सही प्रबंधन, डीकार्बोनाइजेशन और प्राकृतिक संसाधनों के जिम्मेदार प्रबंधन पर बल देता है। कंपनी 530 मेगावॉट के चैबीसों घंटे चलने वाले रिन्यूएबल एनर्जी एग्रीमेंट के जरिए अपनी सस्टेनेबिलिटी परफॉर्मेंस को मजबूत कर रही है। इससे उसकी 70 प्रतिशत से अधिक बिजली की जरूरतें पूरी होने की उम्मीद है और शुरुआती सप्लाई पहले ही शुरू हो चुकी है। इसने अपने पानी के रीसाइक्लिंग रेट को भी 49 प्रतिशत तक बेहतर किया है और अपने ग्रीन मोबिलिटी फ्लीट को बढ़ाकर 232 वाहन कर लिया है, जिसमें इलेक्ट्रिक और एलएनजी से चलने वाले वाहन शामिल हैं। वेदांता ग्रुप की कंपनी हिंदुस्तान जिंक को हाल ही में एसएण्डपी ग्लोबल कॉर्पोरेट सस्टेनेबिलिटी असेसमेंट 2025 में लगातार तीसरे वर्ष विश्व की सबसे सस्टेनेबल मेटल्स और माइनिंग कंपनी का दर्जा दिया गया। प्रस्तावित 250 हेक्टेयर के इकोलॉजिकल बहाली प्रोजेक्ट के साथ, कंपनी जिम्मेदार औद्योगिक कामकाज रीजेनरेटिव लैंडस्केप, क्लाइमेट रेजिलिएंस और समुदायों, बायोडायवर्सिटी और ग्रह के लिए लंबे समय तक चलने वाला मूल्य बनाने में योगदान को सुनिश्चित कर रही हैं।

एनएसएस स्वयंसेवकों ने पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

निसं

तारानगर (नवयत्न)। माँ जालपा देवी राजकीय महाविद्यालय, तारानगर में राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ मूलचन्द ने पौधा लगाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्राचार्य ने स्वयंसेवकों एवं विद्यार्थियों को दैनिक जीवन में पर्यावरण अनुकूल आदतों को अपनाने की बात कही। कार्यक्रम अधिकारी अन्नु महला ने बताया कि कार्यक्रम में महाविद्यालय स्टाफ, स्वयंसेवकों एवं विद्यार्थियों ने महाविद्यालय के उद्यान में पौधे लगाए और पौधों की देखरेख का संकल्प लिया। कार्यक्रम महिला महाविद्यालय प्राचार्य प्रो हीरालाल, हंसराज परिहार, सरिता, अंकिता चौधरी, कमल कुमार, गोगराज निठारवाल, ममता रानी, अमन रोकणा, राधाकृष्ण आदि महाविद्यालय स्टाफ तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे। इसी प्रकार राजकीय महिला महाविद्यालय, तारानगर में भी विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर एनएसएस स्वयंसेविकाओं ने महाविद्यालय परिसर में पौधरोपण किया व पक्षियों के लिए परिंडों में पानी की व्यवस्था की। एनएसएस प्रभारी डॉ अंकिता गोयल ने छात्राओं को प्लास्टिक का उपयोग न करने एवं पर्यावरण को स्वच्छ रखने की शपथ दिलाई।

प्राचार्य हीरालाल ने पर्यावरण दिवस की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए सभी से पर्यावरण संरक्षण में अपनी भागीरदारी निभाने की अपील की।

एयरफोर्स में चयन की गौशाला में भेंट की पानी की टंकी

निसं

बुगाला (नवयत्न)। गांव के कल्याण सिंह शेखावत ने अपने पौत्र हिमांशु पुत्र आनन्द सिंह के भारतीय वायुसेना में चयन होने की खुशी में पंडित गणेश नारायण सुरभि गोशाला में गौ सवामणी की। इस अवसर पर गौवंश को हरा चारा, गुड़ एवं दलिया खिलाकर सेवा की गई तथा गौमाता के प्रति श्रद्धा व्यक्त की गई। कार्यक्रम के दौरान शेखावत परिवार ने गोशाला को 10 नग बठल एवं 1000 लीटर क्षमता की पानी की टंकी भी भेंट की, जिससे गोशाला में गौवंश के लिए पेयजल व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जा सकेगा। उपस्थित गौभक्तों ने हिमांशु के एयरफोर्स में चयन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उसे उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर गोशाला व्यवस्थापक कप्तान महेश बुगालिया ने कहा कि युवाओं की उपलब्धियों को गौसेवा जैसे पुण्य कार्यों से जोड़ना समाज के लिए प्रेरणादायक है। कार्यक्रम में महेंद्र केडिया, महिपाल कुमावत, महावीर बुगालिया, मनोहर सिंह, मोनू शेखावत, महावीर स्वामी, महेंद्र सिंह शेखावत सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे।

जर्जर भवन छात्रों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा : पूनिया

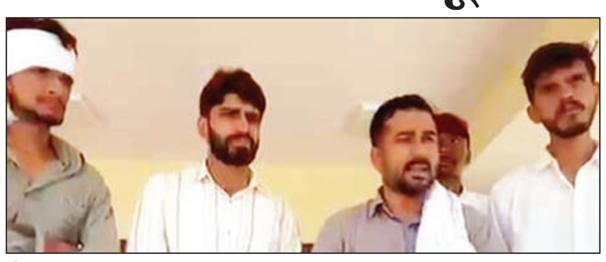

निसं

मंडावा (नवयत्न)। क्षेत्र के बिसाऊ स्थित राजकीय महाविद्यालय की जर्जर भवन स्थिति को लेकर छात्रों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। महाविद्यालय भवन में आई बड़ी दरारों एवं निर्माण संबंधी खामियों को लेकर शनिवार को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता कामरेड महिपाल पूनिया ने कॉलेज का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान भवन की दीवारों, छतों एवं अन्य हिस्सों में बड़ी-बड़ी दरारें पाई गई, जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। कामरेड महिपाल पूनिया ने कहा कि करोड़ों रुपये की लागत से निर्मित भवन में अल्प समय में इस प्रकार की दरारें आना निर्माण कार्य में गंभीर अनियमितताओं और भ्रष्टाचार का संकेत है। उन्होंने आरोप लगाया कि लोक निर्माण विभाग एवं संबंधित एजेंसी की लापरवाही के चलते सैकड़ों छात्रों और स्टाफकी जान जोखिम में है। एसएफआई जिलाध्यक्ष आशीष पचार ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया तो किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा संस्थानों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार और प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है लेकिन यहां छात्रों की सुरक्षा के साथ गंभीर लापरवाही बरती गई है। डीवाईएफआई जिला उपाध्यक्ष साहिल खान ने मांग की कि भवन निर्माण की उच्च स्तरीय तकनीकी जांच करवाई जाए और दोषी अधिकारियों व ठेकेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। वहीं पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष कपिल चोपड़ा ने महाविद्यालय भवन की तत्काल मरम्मत कर सुरक्षित शिक्षण वातावरण उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने शीघ्र कार्रवाई नहीं की तो सीपीआईएम एवं क्षेत्रीय जनता छात्रों की सुरक्षा को लेकर व्यापक जन आंदोलन करने को बाध्य होगी। इस दौरान तहसील अध्यक्ष अमित शेखावत, रफीक खान एवं आवेश सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संगीतमय रामकथा आज से

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। पुरुषोत्तम मास के पवित्र महीने में श्याम मंदिर के पास स्थित मानसागर बालाजी धाम अजीतगढ़ पर महंत जीवादास के सानिध्य में 7 से 15 जून तक मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जीवन चरित्र पर आधारित संगीतमय 9 दिवसीय रामकथा का आयोजन रात 7 से 10 बजे तक होगा। वृंदावन के प्रख्यात कथा मर्मज्ञ पंडित बृजभूषण शास्त्री महाराज व्यास पीठ से कथा सुनाएंगे। कथा को लेकर रविवार की सुबह साढ़े 8 बजे से भव्य एवं विशाल कलश यात्रा निकाली जाएगी जिसमें श्रद्धालुगण-भक्तगण अपनी भावपूर्ण उपस्थिति देकर आयोजन को विशेष आकर्षण प्रदान करेंगे।

वन विभाग तैयार कर रहा खेजड़ी वाटिकाएं

पंच गौरव कार्यक्रम के तहत जिले में खेजड़ी संरक्षण एवं संवर्धन को नया आयाम

निसं

चूरू (नवयत्न)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में हरित राजस्थान की दिशा में पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों पर विशेष फोकस किया जा रहा है। इन प्रयासों की श्रृंखला में राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना पंच गौरव कार्यक्रम के तहत चूरू जिले के लिए राज्य वृक्ष खेजड़ी को एक जिला-एक वनस्पति के रूप में चयनित किया गया है। वन विभाग द्वारा खेजड़ी संरक्षण व संवर्धन की दिशा में संकल्पित प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में वन विभाग द्वारा तैयार की जा रही खेजड़ी वाटिकाएं उल्लेखनीय कदम है। चूरू वन विभाग की इस पहल का उद्देश्य खेजड़ी वृक्ष के संरक्षण, संवर्धन एवं इसके प्रति जन-जागरूकता को बढ़ावा देना है। डीएफओ भवानी सिंह ने बताया कि खेजड़ी संरक्षण एवं संवर्धन से संबंधित विभिन्न गतिविधियों के प्रभावी संचालन हेतु वित्तीय वर्ष 2025-26 में वन विभाग, चूरू को आवंटित राशि का उपयोग खेजड़ी उत्पादों के विक्रय एवं प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने, उत्सव एवं प्रदर्शनियों के आयोजन, कम्प्यूटरीकरण एवं संचार संबंधी कार्यों, वृहद निर्माण कार्यों तथा अन्य आवश्यक गतिविधियों पर किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वन विभाग द्वारा जिले की विभिन्न पौधशालाओं में इस वर्ष 1.52 लाख खेजड़ी एवं सह-प्रजातियों के पौधे तैयार किए जा रहे हैं। आगामी वर्षा ऋतु में इन पौधों का वितरण आमजन को किया जाएगा, जिससे न केवल खेजड़ी वृक्ष के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ेगी, बल्कि जिले में हरित आवरण एवं वृक्षों की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त वन विभाग द्वारा कार्यालय अधीन तारानगर, राजगढ़, चूरू, सरदारशहर एवं रतनगढ़ रेंज में एक-एक खेजड़ी वाटिका की स्थापना की गई है। इन वाटिकाओं के माध्यम से स्थानीय नागरिकों, विद्यार्थियों एवं ग्रामीण समुदाय को खेजड़ी के पारिस्थितिक, सामाजिक एवं आर्थिक महत्व की जानकारी प्रदान की जाएगी तथा संरक्षण गतिविधियों में उनकी सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। गौरतलब है कि खेजड़ी मरुस्थलीय क्षेत्रों की जीवनरेखा मानी जाती है। यह वृक्ष पर्यावरण संरक्षण, भूमि उर्वरता बनाए रखने, पशुओं के लिए चारे की उपलब्धता तथा जलवायु संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। राज्य सरकार एवं वन विभाग द्वारा किए जा रहे इन प्रयासों से खेजड़ी संरक्षण को नई दिशा मिलेगी तथा चूरू जिले में हरित विकास को गति प्राप्त होगी। वन विभाग ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे वर्षा ऋतु में उपलब्ध कराए जाने वाले पौधों का अधिकाधिक रोपण कर उनके संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाएं, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक समृद्ध एवं हरित पर्यावरण का निर्माण किया जा सके।

श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह में रामावतार का हुआ गुणगान

निसं

जयपुर (नवयत्न)। राजधानी जयपुर के गंगवाल पार्क में चल रही नवम श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह केन चौथे दिन शनिवार को भगवान विष्णु के विभिन्न अवतारों की महिमा का वर्णन किया गया। कथा के दौरान रामावतार चरित्र का भावपूर्ण गुणगान हुआ, जिसे सुनकर श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर हो गए। व्यास पीठ से कथा वाचन करते हुए पंडित अनन्त शर्मा ने भगवान विष्णु के विविध अवतारों की महिमा का विस्तार से वर्णन किया। प्रातःकालीन सत्र में गजेन्द्र मोक्ष, वामन अवतार एवं मत्स्य अवतार के प्रसंगों का श्रवण कराया गया। कथा के बीच प्रस्तुत किए गए सुमधुर भजनों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

कथा में रामावतार के आदर्शों, मर्यादा और धर्म की स्थापना के प्रसंगों का वर्णन किया गया। जिसे श्रद्धालुओं ने श्रद्धा भाव से सुना।

इस कार्यक्रम संयोजक पंडित जगदीश शर्मा ने बताया कि वैद्य लक्ष्मीनारायण शर्मा स्मृति जन कल्याण न्यास की ओर से पुरुषोत्तम मास में प्रत्येक बार श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह का आयोजन किया जाता है। उन्होंने बताया कि रविवार को कथा के दौरान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव एवं नन्दोत्सव का भव्य आयोजन होगा, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण के जन्म प्रसंग का संगीतमय एवं उत्सवपूर्ण आयोजन किया जाएगा। श्रद्धालुओं में जन्मोत्सव को लेकर विशेष उत्साह बना हुआ है।

भागवत कथा से प्राप्त राशि गौसेवा को समर्पित

निसं

नोखा (नवयत्न)। दगत दिनों ज्येष्ठ अधिकमास के अवसर पर 25 मई से 31 मई तक चांडक भवन में कान्हा गो सेवा समिति एवं अकेश्वर महादेव शिवालय ग्रुप के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के सफल एवं भव्य आयोजन के उपलक्ष्य में एक विशेष समीक्षा एवं आभार बैठक आयोजित की गई। बैठक में कथा आयोजन को सफल बनाने वाले सभी श्रद्धालुओं, भामाशाहों, स्वयंसेवकों, पत्रकार बंधुओं तथा सहयोगी संस्थाओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई। बैठक में आयोजकों ने बताया कि सात दिवसीय कथा महोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं में धर्म, भक्ति और गौसेवा के प्रति अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला। कथा के माध्यम से न केवल आध्यात्मिक वातावरण का निर्माण हुआ, बल्कि गौसेवा के लिए भी समाज ने खुलकर सहयोग दिया। बैठक में कथा के सफल संचालन के लिए कथावाचक पंडित महावीर पंचारिया एवं राधा माधव संकीर्तन मंडली का भी विशेष आभार व्यक्त किया गया। आयोजकों ने कहा कि उनके सान्निध्य एवं आध्यात्मिक मार्गदर्शन से कथा आयोजन श्रद्धा, भक्ति और धर्ममय वातावरण में संपन्न हुआ। बैठक के दौरान कथा आयोजन के आय-व्यय का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया। जानकारी के अनुसार श्रीमद्भागवत कथा एवं गौसेवा के लिए श्रद्धालुओं द्वारा कुल 28 लाख रुपये की राशि अर्पित की गई। वहीं कथा आयोजन पर लगभग 8 लाख रुपये का व्यय हुआ। समिति ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि शेष समस्त राशि गौसेवा, गोवंश संरक्षण एवं संबंधित सेवा कार्यों में समर्पित की जाएगी। इस अवसर पर यह भी बताया गया कि पदम ग्रुप ऑफ कंपनीज, सीलवा मुंबई ने 5 लाख रुपये का सहयोग प्रदान कर कथा महोत्सव में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। समिति ने इस सहयोग को गौसेवा के प्रति समाज की जागरूकता और समर्पण का प्रेरणादायक उदाहरण बताया। बैठक में दिनेशसिंह राजपुरोहित, जयकरण चारण, मोहित जोशी, घनश्याम छीम्पा, केशव करवा एवं किशन तोषनीवाल सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने आयोजन की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए भविष्य में भी धर्म एवं गौसेवा से जुड़े ऐसे आयोजनों को और अधिक व्यापक बनाने के सुझाव दिए।

आरएलपी का विशाल जन-प्रदर्शन कल

हर्ष सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी झुंझुनू के जिला अध्यक्ष राजेंद्र फौजी के नेतृत्व में जनहित के विभिन्न मुद्दों को लेकर 8 जून को एक विशाल जन-प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। प्रदर्शन का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में बिगड़ती कानून-व्यवस्था, लगातार बढ़ती महंगाई, युवाओं के भविष्य से जुड़े सवालों तथा अन्य जनसमस्याओं पर सरकार की जवाबदेही तय करना है। पार्टी पदाधिकारियों ने बताया कि यह प्रदर्शन आमजन की आवाज को मजबूती देने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं, समर्थकों एवं क्षेत्र के नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में 10 बजे शहीद स्मारक झुंझुनू पहुंचकर आंदोलन को सफल बनाने की अपील की है। पार्टी की ओर से कहा गया है कि जनता की भागीदारी ही लोकतंत्र की ताकत है और इस जन-आंदोलन के माध्यम से जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाया जाएगा।

रोजगार मेला 10 को

जयशंकर जांगिड़

झुंझुनू (नवयत्न)। राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत बेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उप क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय द्वारा 10 जून बुधवार को प्रात: 10 बजे रोजगार कार्यालय परिसर में रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा। सहायक निदेशक दयानंद यादव ने बताया कि रोजगार मेले में देश की प्रतिष्ठित निजी एवं सिक्योरिटी कंपनियां भाग लेंगी और योग्य अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लेकर रोजगार के अवसर प्रदान करेंगी। इच्छुक अभ्यर्थियों को अपने शैक्षणिक दस्तावेजों की फोटो प्रतियां, पासपोर्ट आकार के दो फोटो तथा आवश्यक प्रमाण-पत्रों के साथ निर्धारित तिथि और समय पर रोजगार कार्यालय, झुंझुनूं में उपस्थित होना होगा। शिविर में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों को किसी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।

जितेश का राज्य स्तरीय सम्मान

कृष्ण कुमार गांधी

सूरजगढ़ (नवयत्न)। बोर्ड परीक्षाओं व शिक्षा से संबंधित अन्य क्षेत्र में उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम देने वाले राजस्थान के 200 निजी शिक्षकों को गुरुवालय द्वारा राज्य स्तर पर सम्मानित किया गया। जोधपुर जिले में आयोजित सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि भल्लूराम खिचड़ पूर्व संयुक्त निदेशक उदयपुर व प्रेमचंद सांखला पूर्व संयुक्त निदेशक जयपुर थे। सम्मान समारोह में गणित विषय में जितेश कुमार का चयन हुआ जो वर्तमान में एसके पब्लिक स्कूल भावठड़ी में कार्यरत हैं। गुरूवालय द्वारा जितेश को मेडल व प्रशस्ति प्रदान कर सम्मानित किया गया। जितेश के सम्मान पर स्कूल व गांव में खुशी का माहौल है।

51 पौधे लगाकर अभियान का किया आगाज

निसं

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए एग्रीबायोटेक इंडस्ट्रीज लिमिटेड फैक्ट्री अजीतगढ़ ने इस बार अजीतगढ़ परिक्षेत्र में दस हजार पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। सहायक महाप्रबंधक पीके सिंह ने बताया की विश्व पर्यावरण दिवस पर फैक्ट्री परिसर में 51 पौधे लगाकर अभियान का शुभारंभ किया गया है। एवीपी बोटलिंग श्रीपाल सिंह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण बेहद जरूरी है। पौधारोपण कार्यक्रम में डीजीएम प्लांट कुलदीप सिंह, इटीपी मैनेजर अनिल तानावाड, अकाउंटेंट कैलाश खण्डेलवाल, प्रवीण कुमार, नरसी गुर्जर, शुभम, गोपाल मीणा, हरसाराम, लोकेश कुमार मौजूद थे।

श्रीमद्भागवत कथा में भगवान श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह उत्सव की गूंज

निसं

नोखा (नवयत्न)। अपना घर आश्रम, नोखा में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव के छठे दिवस का आयोजन श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास के साथ संपन्न हुआ। कथा वाचक पूज्य संत श्री रामस्नेही माधवदास जी महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण एवं रुक्मिणी विवाह के दिव्य प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को प्रेम, समर्पण, सेवा और मानवता का संदेश प्रदान किया। अपने प्रवचन में महाराज श्री ने कहा कि भगवान की सच्ची भक्ति केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है, बल्कि असहाय, पीड़ित, वृद्ध एवं निराश्रित जनों की सेवा भी ईश्वर की सर्वोच्च आराधना है। उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति के हृदय में करुणा, दया और सेवा का भाव होता है, वहां भगवान स्वयं निवास करते हैं। श्रीमद्भागवत का मूल संदेश भी यही है कि मनुष्य अपने जीवन को लोककल्याण और सेवा के कार्यों से जोड़कर सार्थक बनाए। महाराज श्री ने विशेष रूप से अपना घर आश्रम की सेवाओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहां निवासरत प्रभुजनों की सेवा करना साक्षात नारायण सेवा के समान है। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को अपने समय, संसाधन और सामर्थ्य का कुछ भाग सेवा कार्यों के लिए समर्पित करना चाहिए। सेवा और भक्ति का संगम ही मानव जीवन को पूर्णता प्रदान करता है। कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण एवं रुक्मिणी विवाह महोत्सव का जीवंत वर्णन सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। कथा पंडाल राधे-राधे, जय श्रीकृष्ण और गोविंद बोलो हरि गोपाल बोलो के जयघोषों से गूंज उठा। भजन-कीर्तन एवं संकीर्तन ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। अनेक श्रद्धालुओं की आंखें प्रभु प्रेम और भक्ति भाव से नम हो गईं। आज के मुख्य यजमान आसकरण भट्टड़ रहे। आश्रम परिवार द्वारा उनका सम्मान कर उनके उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना की गई। कथा स्थल को आकर्षक सजावट, पुष्पों एवं धार्मिक झांकियों से सजाया गया था, जिसने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। आश्रम में निवासरत प्रभुजनों ने भी कथा का श्रवण कर आध्यात्मिक आनंद प्राप्त किया। कथा के माध्यम से समाज में सेवा, संस्कार और संवेदनशीलता का संदेश प्रसारित किया गया। कथा के समापन पर भव्य महाआरती एवं प्रसाद वितरण का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता निभाई। इस अवसर पर अपना घर आश्रम, नोखा के सचिव सतीश झंवर ने सभी धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं, भामाशाहों एवं नगरवासियों से विशेष अपील करते हुए कहा कि श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव का सातवां एवं अंतिम दिवस पूर्णाहुति समारोह रविवार को आयोजित होगा। पूर्णाहुति के अवसर पर विशेष यज्ञ, महाआरती, संत आशीर्वचन एवं प्रसाद वितरण का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कथा की पूर्णाहुति के साक्षी बनें, धर्म लाभ प्राप्त करें तथा अपना घर आश्रम की सेवा गतिविधियों से जुड़कर मानव सेवा के इस महायज्ञ में सहभागी बनें। झंवर ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज में संस्कार, सेवा, सद्भाव और आध्यात्मिक चेतना जागृत करने का माध्यम है। कथा के माध्यम से प्राप्त शिक्षाओं को जीवन में उतारना ही वास्तविक धर्म है। आश्रम परिवार ने सभी श्रद्धालुओं, सहयोगियों एवं सेवाभावी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए पूर्णाहुति महोत्सव में सपरिवार उपस्थित होने का आग्रह किया।

श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव निरंतर भक्तों के जीवन में भक्ति, सेवा, संस्कार एवं सकारात्मक ऊर्जा का संचार कर रहा है तथा समाज को मानवता और करुणा का अमूल्य संदेश दे रहा है।

संवेदनाओं की खुदकुशी

नवयत्न।

वेदना शब्द भले छोटा है,
पर घाव इसके बहुत गंभीर हैं।
जो सहता है, बस वही जानता,
कौन किसकी समझता यहाँ पीर है!
निष्ठुर हो चले हैं आज लोग,
संवेदनाएं अब लुप्त हो चलीं।
शायद मर चुका है जमीर सबका,
भावनाओं ने ही खुदकुशी कर ली।
क्या फायदा गैरों के आगे रोने से?
यहाँ कौन आँसुओं की कीमत जानता है!
भीड़ में छिपे इस मतलबी जहाँ में,
कौन किसी के मर्म को पहचानता है?
कहने को तो सब यहाँ अपने हैं,
पर वास्तव में कौन
अपना मानता है?
खो गए हैं लोग दुनिया की
चकाचौंध में,
इस दौर में अनमोल इंसानियत
को कौन पहचानता है!

लेखक- डॉ अनिल शर्मा (अनमोल) सूरजगढ़ (झुंझुनू)

इंडिया ग्लैम समर पूल पार्टी में दिखा फैशन और ग्लैमर का रंग

जयपुर (नवयत्न)। शहर के गोकुलपुरा स्थित द गुलबाग हेरिटेज रिसोर्ट में इंडिया ग्लैम ऑर्गेनाइजेशन की ओर से आयोजित इंडिया ग्लैम समर पूल पार्टी 2026 में फैशन, ग्लैमर और मनोरंजन का अनूठा संगम देखने को मिला। कार्यक्रम में मिस एंड मिसेज इंडिया ग्लैम, मिस ग्लैम राजस्थान तथा ग्लैम फैशन वीक से जुड़ी मॉडल्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और समर फैशन को आकर्षक अंदाज में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान पूल साइड फोटोग्राफी, स्टाइलिश समर लुक्स, ब्रिजी वाइब्स और मॉडल्स के ग्लैमरस पोज आकर्षण का केंद्र रहे। मॉडल्स ने समर थीम के अनुरूप स्टाइलिश आउटफिट्स और स्विमवियर में अपनी फैशन प्रतिभा का प्रदर्शन किया। आयोजक पवन टांक और कीर्ति टांक ने बताया कि इस विशेष आयोजन का उद्देश्य फैशन, मनोरंजन और नेटवर्किंग को एक मंच पर लाकर प्रतिभागियों को यादगार अनुभव प्रदान करना है। कार्यक्रम में स्विमिंग पूल गतिविधियां, रेन डांस, फैशन वॉक, लाइव म्यूजिक और विभिन्न मनोरंजक प्रस्तुतियां आयोजित की गईं। प्रतिभागियों के लिए हाई.टी और डिनर की भी विशेष व्यवस्था की गई। उन्होंने बताया कि यह आयोजन केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि फैशन इंडस्ट्री से जुड़े प्रतिभागियों को आपसी संवाद, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व विकास का अवसर भी प्रदान करता है। कार्यक्रम के माध्यम से उभरते मॉडलों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और फैशन जगत में आगे बढ़ने का मंच उपलब्ध कराया गया।

ज्ञापन : भूमाफियाओं द्वारा पुरातत्व शिलालेख को हटाने का आरोप

नवरतन वर्मा

रतनगढ़ (नवयत्न)। रतनगढ़ में नगर सेठ कहे जाने वाले जालान परिवार के पुरखो द्वारा सैकड़ो वर्ष पूर्व अपने कुटुंब के नाम को अमर रखने की सोच से शहर परकोटे के भीतर अशोक स्तम्भ के पास हनुमान भंडार के नाम से एक संस्था स्थापित की थी, जिसमे कस्बे के वाशिदो के अगर मांगलिक व सुख दु:ख से जुडा कोई कार्यो बाबत होने वाले आयोजन मे उपयोग मे आने वाले बर्तन व अन्य सामग्री रखते हुये एक विशाल भंडार भवन का निर्माण करवाकर उसमे क्षेत्र के वासियो के लिए बर्तनो सहित आयोजनों के तहत काम मे आने वाली सभी वस्तु, एक ही छत के नीचे मिलती थी। हनुमान वस्तु भंडार किसी वक्त शहर का आज के समय का कहे तो विशाल टेंट केटरिग हाउस था जिसमे मिलने वाले सामान का उपयोग वाशिंदे करते थे। आज से लगभग 20-25 वर्षो पूर्व जालान परिवार द्वारा इस हनुमान भंडार का संचालन कैसे जैसे किया जा रहा था। समय का चक्र के साथ जमीनो को कीमत भी आसमान छूने लगी। वही जालान परिवार की बदली पीढी के वरिसानो ने परिवार की जमीने व भवनो को बेचने का सिलसिला भी प्रारम्भ कर दिया और शने: शने: इस परिवार की पुरतत्तव इतिहास को बया करती अनेको सम्पति बिक गई परन्तु हनुमान भंडार के भवन को तोड़ का इसका कुछ हिस्सा नवीनकरण की आड़ मे दुकानों की शक्ल में बदला गया और शने शने एक एक करके दुकाने भी बिक गई। वही दूसरी और हनुमान भंडार के ऊपरी तल पर लगा सार्वजनिक हित का लगा एक शिलालेख जिसमे यह भवन किस वर्ष किस कार्य बाबत बना था अंकित था और गत वसुंधरा राजे की भाजपा सरकार के समय पुरे प्रदेश मे पुरातत्व विभाग द्वारा सर्वे करके पुरानी हवेलियो, भवनो, छत्रियों आदि का रिकॉर्ड संधारण हुआ था। जिसमे सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार हनुमान वस्तु भंडार भी सर्वे लिस्ट मे शामिल हुआ था। उक्त पुरातत्व धरोहर के नाम निशान को खुर्दबुर्द कर वर्तमान मे इस कीमती भूमि को विक्रय करने की नीयत से जालान परिवार व उनके प्रतिनिधि द्वारा भूमाफियाओं के साथ मिलकर गुरुवार रात्रि को इस भवन पर लगा प्राचीन शिलालेख को तोड़ फोड़ कर हटा दिया गया। संचालित दुकानों के मालिकों को इस घटना का पता लगा तो सभी ने मिलकर उपखंड अधिकारी को एक ज्ञापन देकर हुई घटना की निष्पक्ष जांच करवाने की मांग करते हुये ज्ञापन मे बताया की जब हमारे द्वारा इसका विरोध किया गया तो जालान परिवार के प्रतिनिधि द्वारा गेंगस्टर व भूमाफियाओ द्वारा हमें डराया धमकाया गया है।

ज्ञापन में गायब हुये शिलालेख को बरामद कर उसे पुन: उसी स्थान पर स्थापित करने की मांग की। दिए ज्ञापन पर महेंद्र, हरीश, विकास, राकेश, विमल सहित दर्जनों व्यापारियों के हस्ताक्षर कर अपना विरोध दर्ज करवाया। ज्ञापन की प्रतिलिपि देवस्थान विभाग के सचिवए संभागीय आयुक्त बीकानेर व जिला कलेक्टर चूरू को भी प्रेषित की गई है।

पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

विजेंद्र सिंह लमोरिया

चिड़ावा (नवयत्न)। विश्व पर्यावरण दिवस पर राजस्थान शिक्षण संस्थान परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राजस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग चिड़ावा के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पौधारोपण किया तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। यह कार्यक्रम राजस्थान शिक्षण संस्थान की चेयरपर्सन एवं युवा जनशक्ति फाउंडेशन की अध्यक्षा नीतिका थालौर के तत्वावधान में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ता एक्यूआईए प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग एवं जलवायु परिवर्तन पूरी दुनिया के लिए गंभीर चिंता का विषय बन चुके हैं। यदि समय रहते पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना कठिन हो जाएगा। नीतिका थालौर ने कहा कि आज बड़े शहरों के साथ-साथ छोटे नगरों में भी वायु गुणवत्ता लगातार प्रभावित हो रही है। बढ़ता तापमान, अनियमित वर्षा, जल संकट एवं प्रदूषण मानव जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहे हैं। इन चुनौतियों का सबसे सरल और प्रभावी समाधान अधिकाधिक वृक्षारोपण एवं प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक युवा को केवल एक दिन वृक्षारोपण करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि लगाए गए पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए। पर्यावरण संरक्षण एक सामाजिक दायित्व है और इसमें युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने संस्थान परिसर में विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण किया तथा पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली। विद्यार्थियों ने हरित एवं स्वच्छ भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प भी लिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना रहा। अंत में सभी प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षण के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के दौरान संस्थान के डायरेक्टर श्रीराम थालौर, संस्थान के सचिव संजय थालौर, एमडी गोपीचंद जांगिड़, डॉ. सुभाष बोला प्राचार्य राजस्थान पीजी कॉलेज डॉ. दिनेश गौतम प्राचार्य, राजस्थान लॉ कॉलेज, अंजना सोमरा प्राचार्य, आरपीएस चिड़ावा, राजस्थान नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या संगीता शर्मा, नर्सिंग स्टाफ अमित शर्मा, पूनम सैनी उज्जवल शर्मा भी उपस्थित रहे।

मानसून के दौरान खाद्यान्न व अन्य आवश्यक पदार्थों के रिजर्व स्टॉक रखने के निर्देश

चूरू (नवयत्न)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने आदेश जारी कर जिले में दक्षिण-पश्चिम मानसून, वर्ष 2026 के दौरान जिले में जलभराव/बाढ़ की सम्भावना को ध्यान में रखते हुए खाद्यान्न व अन्य आवश्यक पदार्थों के रिजर्व स्टॉक रखने के निर्देश दिए हैं। जारी आदेशानुसार जिला कलक्टर ने राजस्थान खाद्यान्न एवं अन्य आवश्यक पदार्थ (वितरण का विनियमन) आदेशए 1976 के अनुछेद 20 के अन्तर्गत पदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए रिजर्व स्टॉक 30 सितंबर, 2026 तक रखने हेतु जिले के पीडीएस थोक विक्रेता/उचित मूल्य दुकानदार/गैस एजेन्सी/पेट्रोल पम्प को निर्देश दिए हैं। आदेशानुसार समस्त उचित मूल्य दुकानदारों (एफपीएस) को 10 क्विंटल गेहूं, समस्त गैस एजेन्सीज (एलपीजी) को 50 सिलेण्डर एवं 5000 लीटर डीजल व 2000 लीटर पेट्रोल का रिजर्व स्टॉक रखने के निर्देश दिए गए हैं। इसी के साथ सभी प्रवर्तन स्टॉफ को अपने-अपने क्षेत्र में सम्भावित जिले में जलभराव/बाढ़ की स्थिति में प्रभावित क्षेत्रों में खाद्यान्न एवं अन्य आवश्यक पदार्थ की आपूर्ति एवं रख-रखाव की व्यवस्था करने एवं बाढ़ की स्थिति में स्वैच्छिक संगठनों को भी आगे आने के लिए प्रेरित करने तथा उचित मूल्य दुकानदारों के पास सरकार की विभिन्न योजनाओं का स्टॉक में रखे गेहूं के उचित रख-रखाव एवं भण्डारण की समुचित व्यवस्था कराने के निर्देशन दिए हैं।

असम राइफल्स ने दिव्यांग पूर्व सैनिक को दी विशेष स्कूटी

निसं

जयपुर (नवयत्न)। पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता निभाते हुए असम राइफल्स ने सीकर निवासी दिव्यांग पूर्व सैनिक राइफलमैन राजपाल सेवानिवृत्त को विशेष रूप से तैयार की गई स्कूटी उपलब्ध कराई है। वहीं उनकी विशेष आवश्यकता वाली बेटी को व्हीलचेयर प्रदान कर मानवीय संवेदनशीलता का परिचय दिया है। जनसंपर्क अधिकारी रक्षा राजस्थान लेफ्टिनेंट कर्नल निखिल धवन ने बताया कि राइफलमैन राजपाल ने 10 मई 2026 को जयपुर में आयोजित पूर्व सैनिक रैली के दौरान अपनी आवाजाही में आ रही कठिनाइयों के संबंध में सहायता का अनुरोध किया था। रैली के दौरान उनकी मुलाकात असम राइफल्स के अतिरिक्त महानिदेशक मेजर जनरल जय सिंह बैंसला, एसएम से हुई थी। राजपाल ने अपनी दिव्यांगता के कारण दैनिक जीवन में आने वाली परेशानियों से अवगत कराया, जिस पर असम राइफल्स ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उनके लिए विशेष रूप से अनुकूलित स्कूटी उपलब्ध कराने की व्यवस्था की। यह स्कूटी उनके सीकर स्थित निवास पर पहुंचाकर सौंपी गई। इसी दौरान राइफलमैन राजपाल की विशेष आवश्यकता वाली बेटी को भी व्हीलचेयर प्रदान की गई, जिससे परिवार को बड़ी राहत मिली है। यह पहल पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के प्रति असम राइफल्स की कल्याणकारी और संवेदनशील सोच को दर्शाती है। राइफलमैन राजपाल ने इस सहायता के लिए असम राइफल्स तथा मेजर जनरल जय सिंह बैंसला का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समय पर मिली यह मदद उनके जीवन को अधिक सुगम बनाने में सहायक सिद्ध होगी। असम राइफल्स की यह पहल दर्शाती है कि बल अपने पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों की भलाई के लिए निरंतर समर्पित है तथा देश की सेवा करने वाले वीर सैनिकों को सम्मान, सहयोग और आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना शर्मा के लिए उदय प्रिंटर्स 43-ए, माली कॉलोनी, चांदपोल के बाहर जयपुर में मुद्रित व प्लॉट नं. 88, तहसील के पीछे दांतारामगढ़, सीकर (राज.) से प्रकाशित संपादक सपना शर्मा
मो. 9783931239 मुख्य कार्यालय-जी-4, मान नगर, नगर परिषद के सामने, झुंझुनू, 01592-297190

सम्पादकीय

धीमे जहर के कारोबारी

मुनाफे के लिये मिलावट घोषित हो अपराध

यह इंसान के पतन की पराकाष्ठा ही है कि समाज में बच्चों, वृद्धों, बीमारों व कमजोर लोगों के स्वास्थ्यवर्धन हेतु डॉक्टर दूध-घी-फल लेने को कहे, लेकिन जब उन्हें ये मिले तो उसमें भारी मिलावट पायी जाए। लोग अस्पतालों में बीमारियों से जूझते अपने परिजनों को शीघ्र ठीक करने के लिये दूध व जूस आदि देते हैं, लेकिन उनमें भी यदि घातक रसायन मिले होंगे, तो वे कैसे ठीक हो सकते हैं? पिछले दिनों राजस्थान से अलीगढ़ लाया जा रहा सैकड़ों किलो घी बरामद हुआ। हापुड़ में करीब 22 लाख का नकली शहद पकड़ा गया। सोमनाथ में किडनी-लीवर को नुकसान पहुंचाने वाला यूरिया, डिटर्जेंट व कास्टिक सोडा मिला तीन हजार लीटर दूध बरामद होने की खबरें मीडिया में तैरती रहीं। आखिर लोभी मनुष्य के पतन की कोई सीमा भी है? चंद रुपयों के मुनाफे के लिये हम अपना दीन-ईमान बेचने के लिये कैसे तैयार हो जाते हैं? जीवन रक्षक दवा से लेकर खानपान में मिलावट की लगातार आने वाली खबरें विचलित करती हैं कि क्या खाएं और क्या न खाएं।

पहले कहा जाता था कि ऊपर वाले से डर के कह रहा हूं। लोगों में नैतिकता का भाव होता था। समाज में धारणा थी कि दूसरों के लिये कुंआ खोदने वाला खुद के लिये खाई खोद रहा होता है। लेकिन आखिर समाज में ऐसा क्या हुआ कि लोगों में दुनिया की रचना करने वाले का भय व लोककल्याण का भाव खत्म हो गया। निश्चय ही ये रामराज जैसा वक्त नहीं है। हर दौर में अच्छे-बुरे लोग होते ही हैं। नकारात्मक सोच व दूसरों को कष्ट देकर खुश होने वाले रुग्ण मानसिकता के लोग हर काल खंड में पाये जाते रहे हैं। लेकिन उनका प्रतिशत कम रहा है। आज तो हर व्यक्ति मुनाफे से रातों-रात धनी हो जाना चाहता है,अब चाहे किसी की जान भी जाए, उसकी बला से। निस्संदेह, ये घटनाएं किसी सभ्य के माथे पर कलंक जैसी ही हैं।

हम अक्सर सुनते हैं कि फलों को तुरत-फुरत पकाने वाले रसायनों का जमकर प्रयोग किया जा रहा है। हरी सब्जी व फलों को घातक रसायन से चमकदार बनाया जा रहा है। दरअसल, तुरंत फसल लेने के लिये ऐसे घातक रसायन प्रयोग किए जा रहे हैं, जिन पर तमाम सभ्य समाजों में पूर्ण प्रतिबंध है। लेकिन हमारे देश में ऐसा नियामक तंत्र विकसित ही नहीं हो पाया है, जो ऐसे मामलों में तुरत-फुरत जांच करे और तत्काल मिलावटखोरों को सजा दिलाए। विडंबना यह भी है कि हमारे समाज में स्वयं सेवी संगठन या जागरूक लोग इस गंभीर संकट के प्रति संवेदनशील नहीं हैं।

शासन-प्रशासन से पूछा जाना चाहिए कि हर शहर में मिलावटी सामान की जांच करने वाली लैब की सहज उपलब्धता क्यों नहीं है? जिन विभागों के अधिकारियों के पास जांच-पड़ताल का दायित्व होता है, वे चुप क्यों रहते हैं? दीपावली व अन्य त्योहारों पर जनाक्रोश के चलते कुछ छोटे हलवाइयों पर कार्रवाई होती है, मगर बड़ी मछलियां साफ बच निकलती हैं। क्या इन अधिकारियों की खामोशी में चांदी के जूते की चोट शामिल होती है?

यह किसी से नहीं छिपा कि ये मलाईदार पोस्ट कितने लेन-देन के बाद मिलती हैं। राजनेताओं से लेकर अधिकारियों तक को लेन-देन के बाद ही उनकी पांचों उंगलियां घी में होती है। फिर वे भी नियुक्ति में किए गए निवेश की वसूली में जुट जाते हैं। निश्चय ही एक कारगर तंत्र को विकसित किए बिना इस घृणित कारोबार पर लगाम लगना संभव नहीं है।

विशेष आलेख

कैमरे की बींधती निगाहों से तंग विराट कोहली

विराट कोहली,क्रिकेट खेल की श्रेष्ठता और अधिकतम जश्न मनाने का प्रतीक, लगता है अब कैमरों की निरंतर बींधती आंख से तंग आ चुका है। आह, काश उन्हें एक पल के लिए भी उनकी लगातार पीछा करती नज़रों से छुटकारा मिल पाता- नज़रें जो उनकी निजी ज़िंदगी तक में ताका-झांकी और दखलअंदाज़ी करती है, यहां तक कि उनके प्रशिक्षण सत्रों तक में पीछा नहीं छोड़तीं। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में, जिसमें उनकी संवेदनशील सोच और बेहतरीन वाक?पटुता सामने आई, कोहली ने कैमरों की उन पर लगातार घूमती नज़र से एक विनम्र अपील की : 'मेहरबानी कर मुझे अकेला छोड़ दो'।

वह खिलाड़ी जो उस युग का प्रतिनिधित्व करता हो, जिसमें जीत मनाना वह उन्माद है जो आक्रामक, भयभीत करने वाली शारीरिक भंगिमा के जरिए पाया गया हो। कुछ तो ऐसा हुआ है जिसने उनके अंतस को इतना परेशान कर डाला कि उन्हें इस प्रकार शिकायत करनी पड़ी। जब किसी खिलाड़ी की निजता में कैमरों की दखल देने वाली नज़रें घुसपैठ करने लगें तो ऐसी नाराज़गी होना जायज है।

जिस दौर में हम जी रहे होते हैं, उससे आकार पाते हैं। क्रिकेट के इतिहास में, जिस प्रकार इसके कप्तान खुद को दुनिया के सामने पेश किया करते थे, तो उनके बदलते व्यवहार का मामूली सा अध्ययन भी बहुत कुछ बता सकता है। आखिरकार, हम वही बनते हैं जो कुछ हमारे अंदर भरा जाता है। इतिहास के इस पहलू की ऐसी पड़ताल जाहिर तौर पर शौकिया है, जिसकी प्रेरणा अधिकांशतः कोहली की सच्ची अपील से मिली है। सत्तर के दशक में, जब 'स्पिन के सरदार' बिशन सिंह बेदी भारत की कप्तानी कर रहे थे, उस वक्त जीत मनाने का इज़हार केवल एक हल्की-सी मुस्कान और हल्की ताली बजाकर किया जाता। तब, हर जगह पीछा करने वाली कैमरों की प्रवृति अपनी शैशवास्था में थी, और लोग अपने हीरो को पहचानने के लिए ज़्यादातर छपी हुई तस्वीरों पर ही निर्भर थे। यहां तक कि सत्तर के दशक की यह सहज हल्की-सी मुस्कान भी बीते दशक के मंसूर अली खान पटौदी के भावशून्य व करीब अबूझ व्यक्तित्व से नाटकीय रूप में अलग थी।

सुनील गावस्कर द्वारा व्यावहारिक दूरी बनाए रखना, कपिल देव के ज़मीन से जुड़े उपदेश-भारतीय कप्तानों की लंबी कतार एक ऐसे दौर से जुड़ी थी जहां प्रदर्शनबाजी कम थी; यह कैमरों की दखलअंदाज़ी करती नज़रें धारदार होने से पहले का दौर था। आज के उलट, वह एक बदलाव का दौर था, जब जीत की अभिव्यक्ति गरिमापूर्ण और शांत तरीके से करना आम बात थी—जो आज के दौर में किसी पुरातन युग के अवशेष जैसा है।

सचिन तेंदुलकर ने संकोची और अंतर्मुखी मोहम्मद अज़हरुद्दीन से कप्तानी संभाली थी और जब तक सौरव गांगुली को सौंपी, तब तक सार्वजनिक नजरों का देखने का ढंग बदलने लगा था, जो धीरे-धीरे और ज़्यादा दखल देने वाली होती जा रही थीं। कम बोलने वाले तेंदुलकर ने अपनी एक ऐसी छवि बनाई, जहां लोगों से थोड़ी दूरी बनाए रखने से उनके प्रति सम्मान और भी गहरा हो जाता था। वह क्रिकेट की दुनिया के बाहर अपनी निजी ज़िंदगी के बारे में बहुत कम बातें बताते थे; एक बेहद निजी और एकांत पसंद व्यक्तित्व, जिसका कम बोलना उनके कद और लोकप्रियता को और भी बढ़ा देता। मीडिया से बात करने में उनकी हिचकिचाहट एक ऐसे इंसान की छवि दर्शाती थी जो उन लोगों के बीच सहज महसूस नहीं करता था जिन पर उसे भरोसा न हो, फिर भी वह उन्हें नाराज़ न करने का पूरा ध्यान रखते थे। बींधने वाले कैमरे उस समय देर से आए, तब तेंदुलकर के नाम का वज़न ही इतना ज़्यादा हो चुका था कि उसका बोझ सिर्फ़ वही उठा सकते थे। एक तरह से, उनके व्यक्तित्व का ओज़ आस-पास के माहौल को इतना शालीन कर देता था कि वह सबको उनकी निजता में दखल न देने की सावधानी बरतने के लिए 'मजबूर' कर दे। मुखर स्वभाव वाले सौरव गांगुली को इसकी कोई परवाह नहीं थी कि दुनिया उनके बारे में क्या सोचेगी, और उन्हें अपनी निजी और सार्वजनिक ज़िंदगी के बीच की सीमाएं मिटाने में आनंद आता था। उन्होंने विवादों का सामना किया और यहां तक कि उन्हें बनाया भी, लेकिन खुद को उनसे ज़्यादा परेशान हुए बगैर। बदलते समय में, बाहरी शोर-शराबे से खुद को बचाने के लिए 'मोटी खाल' होना ज़रूरी हो गया, वह 'खूबी' जिसकी कमी शायद उनके उत्तराधिकारी राहुल द्रविड़ में थी। द्रविड़ तो खैर अपने शानदार रिकॉर्ड बनाने में ही पूरी तरह मग्न रहे। उनके लिए कप्तानी परेशानी का सबब थी, और इसके थकाऊ प्रबंधकीय पहलू से धीरे से दूर हट गए।

लगता है महेंद्र सिंह धोनी ने अपनी सहजता से उस 'राक्षस' के खतरनाक इरादों को बूझ लिया था, जोकि कैमरा बनता जा रहा था। उन्होंने इसकी चुभती मौजूदगी को कुंद और बेअसर करने के लिए एक तरीका ईजाद कर लिया। बोलने का सधा हुआ और नपा-तुला अंदाज़—जो अक्सर चुप्पी धारण करने के करीब होता था—उनकी शख्सियत का अहम हिस्सा बन गया। जो लोग किसी कहानी या विवाद की फिराक में रहते थे, मानो किसी जादू की तरह, खुद छिटक जाते। उनका कम बातूनी किंतु मिलनसार स्वभाव, जो शोर-शराबे वाले माहौल को भी चुप करवा दे, इसका बेहतरीन उदाहरण रहेगा कि बिना दुश्मन बनाए दूरी कैसे रखी जाती है।

ऊंची आवाज़, भावनात्मक उदगार और दबी नाराज़गी के खुलकर इज़हार के बाद जो कुछ आया वह कोहली की हताशा को परिभाषित करने वाला है—और आश्चर्यजनक रूप से उनके जश्न मनाने के अंदाज़ को भी—उसमें परिणति का अहसास होना बदा था। रोहित शर्मा एक ऐसी भूमिका में ढले, जिसको आकार व्यवहार के तौर-तरीकों के लंबे इतिहास से मिला,वह जिन्हें आधुनिक क्रिकेट न केवल बढ़ावा देता है बल्कि उनका सामान्यीकरण भी करता है। रोहित उस स्कूल मास्टर की तरह थे, जो ऊपर से सख्त होने का दिखावा करता है, लेकिन दिल से एक प्यारा इंसान होता है; अपने खिलाड़ियों को दीं उनकी झिड़कियां कभी भी बदनीयत नहीं लगीं।

अपने प्रदर्शन से पहचान बनाने की कोशिश करने और आखिरकार एक आदर्श एवं मशहूर हस्ती के तौर पर खुद को स्थापित करने के मुकाम तक—एक सफल खिलाड़ी कभी यह मंजिल एक तयशुदा लीक पर चलकर पाता था। लेकिन, आज के दौर में, ऐसा रास्ता बहुत सपाट, बेमज़ा लगता है। यह न तो किसी को रोमांचित करता है और न ही लोगों का ध्यान खींचता है। क्रिकेट का मैदान अपने आप में और भी विस्तृत हो गया है। निजता अब सार्वजनिक है और सार्वजनिकता निजता है। यह मुकाबला अब उत्तरोतर एक नाटक की तरह होता जा रहा है, जिसमें मुख्य कलाकारों को सिर्फ़ खेल के मैदान पर ही नहीं, बल्कि उसके बाहर भी रील-मेकर बनकर अभिनय करना पड़ता है।

जब काफी संवेदनशील और अपनी बात को बेहतर ढंग से रखने वाले कोहली निजता और मीडिया की निरंतर दखल देती नजरों से बचने की ज़रूरत के बारे में बात करते हैं, तो शायद वे उस बड़ी सच्चाई के बारे में बात करना भूल गए, जिसे खुद आधुनिक खेलों के बाजारीकरण ने ही पैदा किया है। उसके लिए, वह एक ऐसी आकर्षक हस्ती हैं, जिनकी उपलब्धियां, नखरे और यहां तक कि गुस्से से भरे उनके अंदाज भी, एक चुंबक की तरह काम करते हैं।

आज का राशिफल

मेष
नई योजना बनेगी जिसका लाभ तुरंत नहीं मिलेगा। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। चिंता तथा तनाव हावी रहेंगे। सभी तरफ से सफलता प्राप्त होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। आय बढ़ेगी। घर में प्रसन्नता रहेगी।

वृष
ऐश्वर्य पर व्यय हो सकता है। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। भाइयों से कहासुनी हो सकती है। आय बनी रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में सहकर्मी विरोध कर सकते हैं।

मिथुन
वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। जरा सी लापरवाही से अधिक हानि हो सकती है। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। पार्टनरों से मतभेद संभव है। व्यवसाय ठीक चलेगा। समय नेष्ट है।

कर्क
पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। अनहोनी की आशंका रहेगी। शत्रुभय रहेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। रुके हुए कार्यों में गति आएगी। घर-बाहर सभी अपेक्षित कार्य पूर्ण होंगे।

सिंह
नौकरी और व्यापार में लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यापार में अधिक लाभ होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। लेन-देन में सावधानी रखें। शत्रुओं का पराभव होगा।

कन्या
दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। सुख के साधन जुटेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। किसी पारिवारिक आयोजन का हिस्सा बन सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा।

तुला
प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से अनबन हो सकती है। स्थायी संपत्ति खरीदने-बेचने की योजना बन सकती है। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। छोटे भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी।

वृश्चिक
शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

धनु
जोखिम व जमानत के कार्य टालें, धैर्य रखें। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। सुख के साधन जुटेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। किसी पारिवारिक आयोजन का हिस्सा बन सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। शत्रु परास्त होंगे।

मकर
पुराने किए गए प्रयासों का लाभ मिलना प्रारंभ होगा। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। किसी बड़े काम करने की योजना बनेगी। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। भाइयों का सहयोग मिलेगा। भाग्य का साथ मिलेगा।

कुंभ
पारिवारिक समस्याओं में इजाफा होगा। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। भागदौड़ रहेगी। दूर से बुरी खबर मिल सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते कामों में बाधा हो सकती है। दूसरों से अपेक्षा न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। मातहतों से अनबन हो सकती है।

मीन
यात्रा में सावधानी रखें। जल्दबाजी से हानि होगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूसरों के कार्य में दखल न दें। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। आय में निश्चितता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। लाभ बढ़ेगा।

स्वास्थ्य समाचार

चेहरे पर बर्फ लगाने के हो सकते हैं यह नुकसान

कई लोगों को पार्लर जाए बिना घर पर ही फेशियल करना पसंद है। क्योंकि इससे कैमिकल्स से भी बच जाते है और पॉकेट भी नहीं कटती है। चेहरे पर ग्लो लाने के लिए कई तरह के घरेलू फेशियल की सूची है और उनमें से एक है आइस फेशियल यानि बर्फ से फेशियल करना। कई एक्ट्रेस भी बर्फ से फेशियल करने का सुझाव देती है जिसके बाद ये और ज्यादा लोकप्रिय हो गया। लेकिन क्या आपको पता है आइस फेशियल के कुछ नुकसान भी हो सकते है। चेहरे को सूदिंग करने के लिए, सूजी हुई आंखों को कम करने के लिए हम सभी बर्फ लगाते है। और अब जब गर्मियां आ गई हैं, तो ज्यादातर लोग सन-स्ट्रेस्ड स्किन और अन्य स्किनकेयर में फेशियल आइसिंग का सहारा लेते हैं।

संवेदनशील स्किन पर न लगाएं

अगर आपकी स्किन संवेदनशील है तो बर्फ को अपने चहरे पर रगड़ने से आपको बचना चाहिए क्योंकि ये आपको आपकी त्वचा की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचा सकती है। संवेदनशील चेहरे की त्वचा की कोशिकाएं काफी नाजुक होती है यदि आप इस पर बर्फ रगड़ते है तो इसकी कोशिकाएं टूट सकती है। जिससे आपके चेहरे पर सूजन आ सकती है और चेहरा लाल भी हो सकता है इसलिए जब भी आपको संवेदनशील चेहरे पर बर्फ लगानी हो तो बर्फ को किसी साफ कपड़े में लपेटकर इसका इस्तेमास करें।

देर तक बर्फ रगड़ने से डैमेज हो सकती है स्किन

काफी देर तक बर्फ को चेहर पर रगड़ने से ये चेहरे के लाल होने और चेहरे पर सूजन का कारण बन सकता है इसलिए कम समय तक ही चेहरे पर बर्फ लगाएं जितनी जरूरत है सिर्फ उतनी ही देर तक इसका उपयोग करें। ज्यादा देर तक बर्फ आपके चेहरे को ड्राइ कर सकती है।

एक्ने खत्म नहीं करती बर्फ

आपने सुना होगा की बर्फ लगाने से मुंहासे, झुर्रियाँ या आँखों के नीचे के घेरे, खत्म हो जाते है लेकिन ये बिल्किल सच नही है। बर्फ से सिर्फ चेहरे को अस्थायी रूप से फिक्स करता है और कुछ समय के लिए स्टिफ दिखा सकता है लेकिन इन लंबी समय की समस्याओं के लिए बर्फ कुछ काम नहीं करती है। आप बर्फ को अपने स्किन केयर रूटिन का हिस्सा जरूर बनाते है लेकिन ये आपकी स्किन के इलाज में किसी तरह से काम नहीं आती है।

साइनस और माइग्रेन के मरीज रहें सावधान

साइनेस और माइग्रेन से ग्रसित लोगों को चेहरे पर बर्फ रगड़ने से थोड़ा सावधान ही रहना चाहिए क्योंकि इससे उनका दर्द और ज्यादा बढ़ सकता है। बर्फ लगाने से साइनेस और माइग्रेन तकलीफ देय स्थिति में पहुंच सकता है।

हाथ-पैर सुन्न होना इन बीमारियों के लक्षण हो सकते है

आपने अक्सर देखा होगा जब हम एक ही पोजीशन में लंबे समय तक बैठे रहते हैं, या कोई हाथ-पैर बहुत समय तक दब जाते हैं, तो उनमें सुन्नपन और सनसनी महसूस होने लगती है। साथ चींटियों के या सुई चुभने जैसी सेंसेशन महसूस होती है। क्योंकि ऐसा होने पर शरीर में ब्लड फ्लो ठीक से नहीं हो पाता है और रक्त एक ही जगह पर इकट्ठा होने लगता है। जैसे ही हम सामान्य स्थिति में आते हैं, ब्लड सर्कुलेशन फिर से शुरु हो जाता है और सनसनी बंद हो जाती है। लेकिन क्या आप जानते हैं, हाथ-पैर सुन्न होना कुछ मामलों में किसी गंभीर स्वास्थ्य समस्या का संकेत भी हो सकते हैं?

डायबिटीज : जब रक्त में ग्लूकोज की मात्रा बहुत अधिक हो जाती है, तो इससे तंत्रिकाओं को नुकसान पहुंचता है। इस स्थिति को पेरीफेरल न्यूरोपैथी कहा जाता है। हाथों और पैरों का सुन्न होना या झुनझुनी इसके सबसे आम लक्षण हैं।

दबी हुई नस : जब शरीर के किसी अंग की कोई नस दब जाती है, तो इससे भी ब्लड फ्लो प्रभावित होता है और आप सुन्नपन महसूस करते हैं।

डिस्क स्लिप होना : जब रीढ़ की डिस्क खिसक जाती है, तो इस स्थिति में पैरों के नीचे वाली नसों पर काफी दबाव पड़ता है और नस दब जाती है।

ऑटोइम्यून डिजीज : ल्यूपस और गठिया के रोगियों में भी हाथ-पैर सुन्न होने की समस्या देखने को मिलती है।

शरीर में विटामिन की कमी : शरीर में कुछ विटामिन नसों के स्वास्थ्य और ब्लड सर्कुलेशन के लिए बहुत जरूरी होते हैं जैसे विटामिन बी कॉम्प्लेक्स। साथ ही कुछ मिनरल्स भी इसमें अहम भूमिका निभाते हैं। कई बार पोषण की कमी भी सुन्नपन का कारण बन सकती है।

अन्य बीमारियां : कैंसर (कीमोथेरेपी), एचआईवी या एड्स, उच्च रक्तचाप और टीबी के रोगियों में यह बहुत आम है। इसके अलावा अगर किसी व्यक्ति किडनी ठीक से काम नहीं कर रही है, तो ऐसे में भी आपको हाथ-पैर सुन्न होने की स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। वायरल या बैक्टीरियल संक्रमण भी इसका कारण बन सकते हैं। कुछ मामलों में यह अनुवांशिक भी हो सकता है।

नारियल पानी में मिलाकर पिएं शहद, सेहत को मिलेंगे यह जबरदस्त फायदे

सेहत के लिहाज से नारियल पानी और शहद दोनों का ही सेवन बहुत लाभकारी माना जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं, अगर आप दोनों का साथ में सेवन करें, तो इससे कई रोगों से बचाव और उनके उपचार में भी मदद मिल सकती है? जी हां, आपने बिल्कुल सही पढ़ा! ऐसा इसलिए क्योंकि दोनों ही फूड्स पोषण का खजाना हैं। नारियल पानी की बात करें, तो यह विटामिन बी, सी, सोडियम, मैग्नीशियम, पोटेशियम आदि जैसे जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होता है। वहीं, शहद की बात करें तो इसमें यह कई औषधीय गुणों से भरपूर होता है जैसे एंटी-इन्फ्लेमेटरी, एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-फंगल और एंटीऑक्सीडेंट्स गुण। यह कई जरूरी विटामिन और मिनरल्स से भी भरपूर होता है।

बुढ़ापे में करे देरी

यह कॉम्बिनेशन शरीर को पोषण प्रदान करता है। साथ ही इसमें मौजूद औषधीय गुण शरीर में मौजूद हानिकारक कण जैसे फ्री-रेडिकल्स से लड़ने और ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस को कम करने में मदद करता है। यह कोशिकाओं को नुकसान से बचाता है और शरीर को डिटॉक्सिफाई करता है। जिससे यह एजिंग के लक्षणों को कम करने और आपको लंबे समय तक जवां बने रहने में मद करता है।

शरीर को ऊर्जावान

शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स को बैलेंस रखने में नारियल पानी और शहद का कॉम्बिनेशन बहुत लाभकारी है। यह शरीर में मिनरल्स के स्तर को बनाए रखता है और शरीर को एनर्जेटिक बनाता है। शारीरिक थकान, डिहाइड्रेशन आदि से लड़े में भी मदद करता है।

पाचन स्वास्थ्य में होता है सुधार

आंत में अच्छे बैक्टीरिया बढ़ाने के लिए यह एक बेहतरीन ड्रिंक है। यह पाचन में सुधार करता है और पेट संबंधी समस्याओं से आपको बचाता है। पेट में कब्ज, दस्त, ब्लोटिंग आदि समस्याओं से बचाव में बहुत लाभकारी हैं।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाए

नारियल पानी और शहद सर्दी-जुकाम, मौसमी और वायरल संक्रमण आदि से आपको सुरक्षित रखने में मदद करते हैं। यह इम्यूनिटी बूस्ट करते हैं और शरीर में सफेद रक्त कोशिकाओं के निर्माण में भी मदद करती हैं। जो संक्रमण और हानिकारक बैक्टीरिया से लड़ती हैं।

डायबिटीज रोगियों के लिए है फायदेमंद

ब्लड शुगर कंट्रोल करने में यह मिश्रण बहुत लाभकारी है। शहद में प्राकृतिक शुगर होती है। यह ब्लड शुगर नहीं बढ़ाता है। यह कॉम्बिनेशन ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस को कम और इंसुलिन संवेदनशीलता में सुधार करता है। लेकिन अधिक मात्रा में इसका सेवन करने से बचना चाहिए।

हेलमेट ही जीवन रक्षा कवच : एसपी सागर ने खुद पहनाकर दिया संदेश

भामाशाहों से सहयोग 400 दोपहिया चालकों को बांटे हेलमेट

संजय सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने, आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने तथा जिले में सुरक्षित एवं सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह सागर के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय झुंझुनू देवेन्द्र सिंह राजावत के मार्गदर्शन में 02 जून से 07 जून 2026 तक श्विशेष यातायात जागरूकता एवं प्रवर्तन सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार 6 जून को जिले के भामाशाहों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से पुलिस अधीक्षक कार्यालय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय एवं क्यूआईडीटी शाखा सहित विभिन्न पुलिस थानों द्वारा 400 दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट वितरित किए गए। इस दौरान आमजन को बताया गया कि सड़क दुर्घटनाओं में सिर पर गंभीर चोट लगना मृत्यु का प्रमुख कारण होता है, जिससे बचाव के लिए हेलमेट का उपयोग अत्यंत आवश्यक है। हेलमेट वितरण अभियान के माध्यम से वाहन चालकों को यातायात नियमों की पालना करने एवं सदैव हेलमेट पहनकर वाहन चलाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह सागर ने स्वयं बिना हेलमेट वाहन चला रहे चालकों को अपने हाथों से हेलमेट पहनाकर जीवन सुरक्षा का संदेश दिया।

झुंझुनू पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे स्वयं यातायात नियमों का पालन करें तथा अपने परिवार और परिचितों को भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करें।

यातायात नियमों का पालन न केवल स्वयं की सुरक्षा सुनिश्चित करता है बल्कि अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं के जीवन की रक्षा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सुरक्षित यातायात, सुरक्षित जीवन के संदेश के साथ यह अभियान पूरे जिले में प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है।

युवाओं ने किया पौधारोपण, प्रकृति को बचाने का लिया संकल्प

संजय सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। पर्यावरण को हरा-भरा बनाने और प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए स्थानीय युवाओं ने एक विशेष पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अभियान के तहत क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के छायादार और फलदार पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में समाज के प्रबुद्धजनों और युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर एडवोकेट पारस सैन, सीए लोकेश अग्रवाल, एडवोकेट हेमाकृष्ण कुमावत, एडवोकेट पंकज बावलिया, अभिषेक मुरारका, पंडित रवि कुमार, अशोक भाटीवाड़, रजत डांगी, प्रदीप महला, लोकेश बेनीवाल, प्रीतम कुमार, हितेश, हैप्पी गोदारा और विकास गुजर सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के दौर में पौधारोपण समय की मुख्य मांग है। उन्होंने कहा कि केवल पौधे लगाना ही काफी नहीं है बल्कि उनकी उचित देखभाल करना और उन्हें एक पेड़ के रूप में विकसित होते देखना भी हमारा कर्तव्य है। सभी ने आमजन से अपील की कि वे अपने जन्मदिन या अन्य विशेष अवसरों पर कम से कम एक पौधा जरूर लगाएं और पर्यावरण को बचाने में अपना योगदान दें।

आंधी-तूफान : घर की छत उड़ी, गाड़ी पर गिरी दीवार, आधा दर्जन से ज्यादा पक्षी घायल, बिजली के पोल टूटे

निसं

नोखा (नवयत्न)। नोखा में शुक्रवार देर रात आंधी के साथ बारिश आई जिससे गर्मी से राहत मिली। शनिवार को भी दोपहर बाद बादलो की आवाजाही शुरू हुई और शाम को बारिश का दौर शुरू हुवा। बारिश से निचली बस्ती में पानी भर गया और सड़कों पर भी पानी भरा रहा। समाचार लिखे जाने तक बारिश चालू थी। वही नोखा के पांचू क्षेत्र में शुक्रवार रात्रि आए जबरदस्त आंधी तूफान के कारण भारी नुकसान होने की जानकारी मिली है। काहिरा गांव प्रशासक रामदेव जाट ने बताया रात को आए भयंकर आंधी तूफान की वजह से 100 से ज्यादा बिजली के पोल टूट गए है जिसके कारण सैकड़ों घरों में बिजली बंद हो गई है। खेतों की तारबंदी और जालियां टूटने के साथ खेत के चारों तरफ लगाई बाड़ भी उड़ गई जिसके कारण किसानों को भारी नुकसान हुआ है। किसानों के खेतों में बने हुए पशु आश्रम और रहवासी मकान की टीन शेड से बनी छत तक उड़ गई जिसके कारण उसमें रखा अनाज और अन्य कीमती सामान खराब हो गया। एक मकान के पास खड़ी गाड़ी पर दीवार का एक हिस्सा टूटकर गिरने से काफी नुकसान हुआ है। गांव के लोगों ने बताया कि खेतों में सैकड़ों खेजड़ी, किकर, नीम के पेड़ गिर गए है जिस पर रात के समय आसरा लिए बैठे पक्षियों की मौत हो गई। वन्यजीव प्रेमी बजरंगलाल जाट ने बताया आधा दर्जन पक्षी भी तूफान की चपेट में आने से घायल हो गए थे जिनका प्राथमिक उपचार करवा कर उन्हें वन्य जीव सेंटर रेस्क्यू करवाया है।

श्मशान भूमि की सुरक्षा को लेकर ज्ञापन सौंपा

निसं

नोखा (नवयत्न)। नोखा के तालवा में राजपूत समाज ने अपनी श्मशान भूमि की सुरक्षा की मांग को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। समाज के सदस्यों ने एसडीएम के नाम यह ज्ञापन तहसीलदार चंद्रशेखर टांक और विकास अधिकारी भोमसिंह इंदा को दिया। ज्ञापन में बताया गया कि हाल ही में राजपूत समाज के प्रबुद्धजनों की एक बैठक हुई थी। इसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि तालवा स्थित समाज की श्मशान भूमि को किसी भी स्थिति में खुर्द-बुर्द नहीं होने दिया जाएगा। समाज का कहना है कि यह भूमि उनकी आस्था और परंपराओं से जुड़ी है और वर्षों से अंतिम संस्कार एवं धार्मिक कार्यों के लिए उपयोग की जा रही है।

कब्जा करने का प्रयास

समाज के प्रतिनिधियों ने आरोप लगाया कि मुकाम क्षेत्र के कुछ लोग इस भूमि पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने प्रशासन से भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित करने और किसी भी प्रकार के अतिक्रमण को तुरंत रोकने की मांग की। ज्ञापन के माध्यम से प्रशासन से श्मशान भूमि की सीमाओं का संरक्षण करने और समाज की धार्मिक एवं सामाजिक भावनाओं का सम्मान करने का आग्रह किया गया।

ये रहे मौजूद

इस दौरान ज्ञापन सौंपते समय भीखसिंह गंदुसर, भूपेंद्र सिंह, अक्षय सिंह, सवाई सिंह चरकड़ा, ऋषिराज सिंह सहित समाज के कई प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

फॉरेन लैंग्वेज सर्टिफिकेट कोर्स प्रारंभ

तारानगर (नवयत्न)। मां जालपा देवी राजकीय महाविद्यालय तारानगर में आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा द्वारा आगामी सत्र से फॉरेन लैंग्वेज सर्टिफिकेट कोर्स प्रारंभ किया जाएगा । इस हेतु आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा द्वारा फ्रेंच भाषा की स्वीकृति प्रदान की गई है । प्राचार्य डॉ. मूलचंद ने बताया कि इसमें वर्तमान में अध्ययनरत विद्यार्थी और पास आउट विद्यार्थी आवेदन पत्र और निर्धारित शुल्क महाविद्यालय में आवश्यक दस्तावेजों सहित जमा करवा सकते है ।

फर्जी साइबर क्राइम अधिकारी बनकर ठगी की कोशिश करने वाला आरोपी गिरफ्तार

निसं

जयपुर (नवयत्न)। कालवाड़ थाना पुलिस ने साइबर अपराध के नाम पर लोगों को धमकाकर रुपए मांगने वाले एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पुलिस अधिकारी, साइबर क्राइम अधिकारी और जिला कलेक्टर की फर्जी आईडी बनाकर लोगों को झूठे साइबर अपराध मामलों में फंसाने की धमकी देता था तथा उनसे रुपए की मांग करता था। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि जिले में बढ़ते साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश गुप्ता और सहायक पुलिस आयुक्त आलोक कुमार सैनी के निर्देशन में कालवाड़ थानाधिकारी सुरेश सिंह पुनिया के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई थी। पुलिस के अनुसार 4 जून को परिवादी राहुल योगी पुत्र सुरेश कुमार योगी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 22 मई से उसके पास प्रवीण नामक व्यक्ति के फोन आ रहे थे। आरोपी स्वयं को साइबर क्राइम ब्रांच जयपुर का अधिकारी बताता था और साइबर क्राइम विभाग की फर्जी आईडी दिखाकर विश्वास में लेता था। उसने परिवादी के परिचित राकेश कुमार से 2 जून को 400 रुपए ट्रांजेक्शन के जरिए पुलिस वेरिफिकेशन के नाम पर ले लिए। इसके बाद आरोपी ने राहुल योगी को कथित साइबर क्राइम सूची दिखाकर कहा कि उसका नाम सूची में है। नाम हटाने के बदले करीब 18 हजार रुपए की मांग की गई। वहीं उसके परिचित राकेश कुमार से 60 हजार रुपए देने के लिए कहा गया। रकम नहीं देने पर साइबर फ्रॉड के मामले में जेल भिजवाने की धमकी दी गई। शिकायत के आधार पर कालवाड़ थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी प्रवीण निवासी ग्राम भावठड़ी, तहसील सूरजगढ़, जिला झुंझुनूं हाल फ्लैट नंबर 231, गोविंद वाटिका, मुंडोता रोड, थाना कालवाड़, जयपुर को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी पुलिस अधिकारी, जिला कलेक्टर और साइबर क्राइम अधिकारियों की विभिन्न फर्जी आईडी बनाकर लोगों को झूठे साइबर अपराध मामलों में फंसाने की धमकी देता था तथा उनसे रुपए ऐंठने का प्रयास करता था। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर उसके नेटवर्क और अन्य वारदातों के संबंध में जांच कर रही है।

अपनी और परिवार की सुरक्षा के लिए आदत में हेलमेट शुमार करें : राजावत

बाबूलाल वर्मा

झुंझुनू (नवयत्न)। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन द्वारा एक विशेष मुहिम चलाई गई। अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र सिंह राजावत के नेतृत्व में पुलिस टीम ने शहर के मंडावा मोड़ चौराहे पर नाका लगाकर बिना हेलमेट चल रहे दोपहिया वाहन चालकों को रोका और उन्हें सुरक्षा का महत्व समझाते हुए मुफ्त हेलमेट वितरित किए। अभियान के दौरान एएसपी देवेन्द्र सिंह राजावत ने खुद वाहन चालकों से बात की। उन्होंने कहा कि अधिकांश सड़क हादसों में सिर पर चोट लगने के कारण जान जाने का खतरा सबसे ज्यादा रहता है, जिसे केवल एक हेलमेट पहनकर काफी हद तक टाला जा सकता है। हेलमेट वितरण के साथ ही उपस्थित सभी नागरिकों और चालकों को यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करने, सीट बेल्ट लगाने और शराब पीकर गाड़ी न चलाने की शपथ दिलाई गई। एएसपी ने अपील की कि हेलमेट को पुलिस के डर से नहीं, बल्कि अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए अपनी आदत में शुमार करें। इस मौके पर पुलिस के आला अधिकारी और शहर कोतवाल श्रवण कुमार नील तथा यातायात टीम के जवान मौजूद रहे।

35 दिनों से मूर्तियां लगाने की मांग कर रहे बुलंद

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। गांधी चौक स्थित पार्क में बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर, स्वतंत्रता सेनानी गिरीशचंद्र मिश्र, महाकवि कन्हैयालाल सेठिया की मूर्तियां लगाए जाने की मांग को लेकर नगरपरिषद कार्यालय के बाहर लगातार 35 वें दिन भी शनिवार को अजय ढ़ेनवाल के नेतृत्व में धरना जारी रहा। धरने पर तरूण सियोता, बिलाल भूरान, प्रीतम सांखला, पवन लखन, शंकरलाल, मूलचंद, विजय, राजकुमार, नवाब सहित अनेक लोगों ने शिरकत की।

श्रीकृष्ण का चरित्र सबके मन में चलने वाली अबाध प्रक्रिया : तिवाड़ी

निलेश मुद्गल

चिड़ावा (नवयत्न)। मर्यादा पुरूषोतम भगवान श्रीराम का चरित्र हर युग में प्राणी मात्र के लिए आदर्श चरित्र है। जबकि भगवान श्रीकृष्ण का चरित्र सबके मन में चलने वाली अबाध प्रक्रिया है। भागवत में जो कंस है वह हमारे मन के अंदर बैठा अभिमान है। जब अभिमान रूपी कंस मन पर अधिकार कर लेता है तो उसके अनुचर काम, क्रोध, मद, लोभ, मान, मोह अपने आप आ जाते हैं जिन्हें भागवत में पूतना, कालिया, बकासुर, अघासुर आदि नाम से बताया गया है। उक्त आध्यात्मिक विवेचना वाणी भूषण पंडित प्रभुशरण तिवाड़ी ने सेही कलां के नेत दादा मंदिर परिसर में पवित्र पुरुषोत्तम मास के अवसर पर चल रही श्रीमद् भागवत कथा के पंचम दिवस कृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन करते हुए व्यक्त की। कथा में पूतना वध, कालिया दहन, बकासुर, अघासुर आदि दैत्य वध तथा गोवर्धन धारण की लीला का विस्तार से वर्णन किया गया। इस अवसर पर कथा में कृष्ण बाल लीला तथा गोवर्धन धारण की सजीव झांकी सजाई गई। कथा के दौरान सुन्दर भजनों की मनोहारी प्रस्तुति ने सभी को आनंदित किया। कथा के प्रारंभ में यजमान विक्रम शर्मा ने वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य भागवत व व्यास पूजन किया।

इस दौरान डॉ जगदीश प्रसाद शर्मा, पूर्व सरपंच शीशराम गोस्वामी, हजारीलाल शर्मा, बुद्धिधर कुलहरी, भागीरथ जांगिड़, राकेश पूनिया, प्रवीण शर्मा, राजेंद्र सिंह शेखावत, मातुराम महरिया, संजय भगत, नत्थुराम शर्मा, जितेंद्र जांगिड़, ब्रह्मानंद पूनिया, रतनलाल शर्मा, पवन शर्मा, योगेश जांगिड़, निशांत जांगिड़, अरविन्द शर्मा, संजय भगत, सीताराम शर्मा, अशोक शर्मा, संतोष सिंह शेखावत, ओमप्रकाश महरिया, विक्रम शर्मा, करनसिंह शेखावत, सत्यनारायण कुमावत, प्रमोद भगत, होशियारी लाल शर्मा, गजाननंद शर्मा, अनिल शर्मा, धरम सिंह शेखावत, रवि कुमावत सहित काफी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

कर्मचारी संघ अध्यक्ष बजाड़ का नागरिक मंच ने किया अभिनंदन

निलेश मुद्गल

झुंझुनू (नवयत्न)। राजस्थान राज्य कर्मचारी महासंघ के जिला अध्यक्ष बनने पर कर्मचारी नेता राजेश बजाड़ का झुंझुनू नागरिक मंच द्वारा भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम चंचलनाथ टीले पर पीठाधीश्वर संत ओमनाथ महाराज एवं संत विचारनाथ महाराज के सानिध्य में आयोजित हुआ। मंच के संयोजक उमाशंकर महमिया के नेतृत्व में आयोजित समारोह में राजेश बजाड़ का साफा, माला एवं दुपट्टा पहनाकर अभिनंदन-पत्र भेंट करते हुए सम्मान किया गया।

इस अवसर पर महमिया ने कहा कि राजेश बजाड़ ने अपने सौम्य व्यक्तित्व, मधुर व्यवहार, कर्मठ कार्यशैली तथा कर्मचारी एवं जनहित के मुद्दों के प्रति समर्पित भाव से समाज में विशिष्ट पहचान बनाई है। उनके द्वारा कर्मचारियों के हितों की रक्षा एवं समस्याओं के समाधान के लिए किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। कार्यक्रम का संचालन एवं अभिनंदन-पत्र का वाचन विप्र फाउंडेशन के संगठन महामंत्री रामगोपाल महमिया ने किया। अपने सम्मान के लिए राजेश बजाड़ ने झुंझुनू नागरिक मंच का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे भविष्य में भी कर्मचारी हितों एवं जनसेवा के कार्यों को पूरी निष्ठा के साथ आगे बढ़ाते रहेंगे। इस अवसर पर नगर परिषद के पूर्व आयुक्त राजेन्द्र जोशी, पेंशनर समाज के सचिव चंद्रप्रकाश धूपिया, पूर्व लायंस क्लब के अध्यक्ष अमरनाथ जांगिड़, एडवोकेट सुशील जोशी, श्यामसुंदर दाधीच, विजय सैनी, मनोज व्यास, अमृत जोशी, विनोद पुरोहित, योग शिक्षक पवन सैनी, दीपक मोदी, गोपी पुरोहित, राष्ट्रीय सैनी सभा के जिला संरक्षक जगदीश सैनी, विमल सैनी, नीरज जांगिड़, सुशील बाक्याण, रतन सैनी, कर्मचारी महासंघ महामंत्री शैतान सिंह सहित शहर के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

स्पा सेंटरों की आड़ में गड़बड़ी पर पुलिस का डंडा, आठ लोगों को पकड़ा

निसं

जयपुर (नवयत्न)। शहर में स्पा सेंटरों की आड़ में संचालित अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने और पुलिस कमिश्नरेट की गाइडलाइन की पालना सुनिश्चित कराने के लिए बजाज नगर थाना पुलिस ने क्षेत्र में संचालित चार स्पा सेंटरों पर छापेमारी कर नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर आठ पुरुषों को गिरफ्तार किया है। डीसीपी जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बजाज नगर थानाधिकारी रामधन डोभाल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। जहां महिला पुलिसकर्मियों के साथ गठित टीम ने बजाज नगर क्षेत्र स्थित बीलीफ थाई स्पाए उमंग लक्जरी स्पाए ब्ल्यू स्टार थाई स्पा और स्वागत थाई स्पा पर अचानक दबिश दी। जांच के दौरान पुलिस कमिश्नरेट द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की अवहेलना पाए जाने पर कार्रवाई करते हुए आठ पुरुषों को गिरफ्तार किया गया। इस कार्रवाई से पहले क्षेत्र में संचालित करीब 11 स्पा सेंटरों के संचालकों को गाइडलाइन की जानकारी देकर सख्त चेतावनी भी दी गई थी। इसके बावजूद कई स्थानों पर नियमों की पालना नहीं की जा रही थी। बजाज नगर थानाधिकारी रामधन डोभाल ने बताया कि स्पा सेंटरों के लिए पुरुष एवं महिला अनुभाग अलग-अलग होना, ग्राहकों का पहचान पत्र एवं विवरण दर्ज करना, स्टाफ का पुलिस सत्यापन कराना, निर्धारित डिस्प्ले बोर्ड लगाना तथा बंद कमरों में मसाज सेवाएं नहीं देना अनिवार्य है। इन नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई गई है।

इस कार्रवाई में थानाधिकारी रामधन डोभाल, एएसआई बीरबल, हेड कांस्टेबल धर्म सिंह, महिला कांस्टेबल रेखा, चालक जगन सहित अन्य पुलिसकर्मियों ने भूमिका निभाई। वहीं कांस्टेबल रामवतार और कांस्टेबल महेंद्र की विशेष भूमिका सराहनीय रही।

भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ पहले दिन 368 रन बनाए

राहुल-गिल के शतक, सुदर्शन-पंत की हाफ सेंचुरी

भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के पहले दिन मजबूत पकड़ बना ली। मुल्लांपुर के महाराजा यादवेंद्र सिंह स्टेडियम में भारत ने पहले बैटिंग करते हुए 3 विकेट पर 368 रन बना लिए।

दिन का खेल खत्म होने तक गिल 103 और ऋषभ पंत 50 रन बनाकर नाबाद लौटे। इससे पहले केएल राहुल ने 100 और साई सुदर्शन ने 81 रन की पारी खेली।

अफगानिस्तान के लिए सलीम मेहमान ने 2 विकेट हासिल किए। जियाउर रहमान शरीफी को एक विकेट मिला। मैच का स्कोरबोर्ड

सुदर्शन-राहुल ने 139 रन जोड़े

भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही। यशस्वी जायसवाल 32 गेंदों में 24 रन बनाकर आउट हुए । उस समय टीम का स्कोर 41 रन था। इसके बाद केएल राहुल और साई सुदर्शन ने दूसरे विकेट के लिए 139 रन जोड़कर पारी को संभाला। सुदर्शन ने 104 गेंदों में 81 रन बनाए, जिसमें 13 चौके शामिल रहे। सुदर्शन और जायसवाल को सलीम सफी ने आउट किया।

राहुल का 12वां टेस्ट शतक

सुदर्शन के आउट होने के बाद राहुल और कप्तान गिल ने पारी को आगे बढ़ाया। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 67 रन जोड़े। राहुल ने 12वां शतक लगाते हुए 165 गेंदों में 100 रन बनाए। उनकी पारी में 11 चौके शामिल रहे। हालांकि वह अपने शतक को बड़ी पारी में नहीं बदल सके और जियाउर रहमान शरीफी की गेंद पर विकेटकीपर रहमानुल्लाह गुरबाज को कैच दे बैठे।

गिल शतक लगाकर नाबाद, पंत की फिफ्टी

राहुल के आउट होने के बाद ऋषभ पंत ने तेजी से बल्लेबाजी की। उन्होंने अब्दुल मलिक के एक ओवर में 3 छक्के लगाकर। दूसरी ओर गिल ने 138 गेंदों में टेस्ट करियर का 11वां शतक पूरा किया। दिन का खेल समाप्त होने से ठीक पहले पंत ने भी 70 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। दोनों बल्लेबाजों के बीच चौथे विकेट के लिए नाबाद 121 रन की साझेदारी हो चुकी है।

पहले दिन के फैक्ट्स...

- केएल राहुल ने बतौर ओपनर 11वां शतक लगाया है। वे सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले भारतीय ओपनर्स की सूची में चौथे स्थान पर हैं। सुनील गावस्कर 33 शतक के साथ पहले नंबर पर हैं।
- भारत ने इस मैच में 6 लेफ्टी बैटर्स उतरे हैं। यह तीसरा मौका है, जब भारतीय टीम की टेस्ट प्लेइंग इलेवन में इतने लेफ्टी हैं।
- मानव सुथार डेब्यू कर रहे हैं। उन्हें कुलदीप यादव ने डेब्यू कैप दी। वहीं, विकेटकीपर ऋषभ पंत 50वां टेस्ट मैच खेल रहे हैं।
- न्यू चंडीगढ़ स्थित मुल्लांपुर का महाराजा यादविंद्र सिंह स्टेडियम भारत का 31वां टेस्ट वेन्यू बना है। पिछले साल गुवाहाटी टेस्ट वेन्यू बना था।
- 15 साल बाद टीम इंडिया अपने घरेलू मैदान पर अश्विन-जडेजा के बिना टेस्ट खेल रही है। नवंबर 2010 में न्यूजीलैंड के खिलाफ ऐसा हुआ था। टीम ने उसके बाद 69 टेस्ट मैच खेले हैं।

दोनों टीमों की प्लेइंग-इलेवन

भारत: केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन, शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल, वॉशिंगटन सुंदर, मानव सुथार, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा।

अफगानिस्तान- सेदीकुल्लाह अटल, रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), अब्दुल मलिक, रहमत शाह, हश्मतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), अफसर जजई, अजमतुल्लाह उमरजई, शराफुद्दीन अशरफ, नांगेयालिया खारोटे, जियाउर रहमत शरीफी और मोहम्मद सलीम सफी।

पंत का अर्धशतक, भारत ने 368/3 पर खत्म किया पहला दिन

ऋषभ पंत ने 70 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। 85वें ओवर की पांचवीं गेंद पर मोहम्मद सलीम के खिलाफ सिंगल लेकर वह 50 रन तक पहुंचे। पंत ने अपनी पारी में 2 चौके और 3 छक्के लगाए। दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ने 85 ओवर में 3 विकेट पर 368 रन बना लिए थे। शुभमन गिल 143 गेंदों में 103 रन और पंत 70 गेंदों में 50 रन बनाकर नाबाद लौटे। राहुल (100) और साई सुदर्शन (81) की पारियों के बाद गिल और पंत ने भी 121 रन की साझेदारी कर भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

गिल ने करियर का 11वां टेस्ट शतक

गिल ने टेस्ट करियर का 11वां शतक पूरा कर लिया। उन्होंने 138 गेंदों में सेंचुरी पूरी की। 83वें ओवर की पांचवीं गेंद पर मोहम्मद सलीम की लेग स्टंप पर डाली गई गेंद को स्क्वायर लेग की दिशा में खेलकर एक रन लिया और तीन अंकों तक पहुंचे। शतक पूरा होते ही गिल ने हेलमेट उतारकर बल्ला उठाया और ऋषभ पंत ने उन्हें गले लगाकर बधाई दी।

प्रज्ञानानंदा नॉर्वे चेस खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने

फाइनल राउंड में जर्मनी के विन्सेंट को हराया; वर्ल्ड नंबर-1 कार्लसन को दो बार मात दी

भारत के युवा ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंदा ने इतिहास रचते हुए नॉर्वे चेस 2026 का खिताब जीत लिया है। 20 साल के प्रज्ञानानंदा इस टूर्नामेंट को जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। फाइनल राउंड में उन्होंने जर्मनी के विन्सेंट कीमर को हराकर यह उपलब्धि हासिल की। टूर्नामेंट के आखिरी दिन प्रज्ञानानंदा 15 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर थे। उन्होंने क्लासिकल मुकाबला जीतकर 3 अंक हासिल किए और कुल 18 अंकों के साथ खिताब अपने नाम कर लिया। नॉर्वे चेस टूर्नामेंट को सबसे ज्यादा 7 बार मैग्नस कार्लसन ने जीता। 2025 में भी वही चैंपियन थे।

आखिरी राउंड में पलटी बाजी, वेस्ली टाईब्रेकर जीतने के बावजूद हारे

टूर्नामेंट के आखिरी राउंड में अमेरिकी ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो 15.5 अंकों के साथ टॉप पर थे। लेकिन उनका मुकाबला ड्रॉ रहा और फैसला आर्मागेडन टाईब्रेकर में गया। इससे प्रज्ञानानंदा के लिए खिताब जीतने का रास्ता खुल गया। वेस्ली सो ने टाईब्रेकर तो जीत लिया, लेकिन उन्हें केवल 1.5 अंक मिले। इस तरह उनके कुल 17 अंक हुए, जो प्रज्ञानानंदा से एक कम थे। फ्रांस के अलीरजा फिरोजा 15.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। आखिरी दौर में मैग्नस कार्लसन ने गुकेश को हराया, लेकिन वह भी खिताब नहीं जीत सके। कार्लसन 13 अंकों के साथ 5वें स्थान पर रहे।

प्रज्ञानानंदा ने वर्ल्ड नंबर-1 कार्लसन को दो बार हराया

इस टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में प्रज्ञानानंदा का प्रदर्शन साधारण रहा, लेकिन बाद के मुकाबलों में उन्होंने शानदार वापसी की।

उनकी सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक वर्ल्ड नंबर-1 और सात बार के नॉर्वे चेस चैंपियन मैग्नस कार्लसन को दो बार क्लासिकल मुकाबलों में हराना रहा। प्रज्ञानानंदा भारत के दूसरे ऐसे खिलाड़ी बने, जिन्होंने एक ही टूर्नामेंट में मैग्नस कार्लसन को दो बार हराया। इससे पहले 2007 में विश्वनाथन आनंद ने लिनारेस इंटरनेशनल टूर्नामेंट में कार्लसन को लगातार दो मुकाबलों में शिकस्त दी थी।

आनंद और गुकेश भी नहीं जीत सके थे नॉर्वे चेस खिताब

प्रज्ञानानंदा ने वह कर दिखाया जो भारतीय शतरंज के दिग्गज विश्वनाथन आनंद भी नहीं कर पाए थे। मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश भी अब तक यह टूर्नामेंट नहीं जीत सके हैं।

2013 में शुरू हुए इस टूर्नामेंट में पहली बार किसी भारतीय ने खिताब जीता है। प्रज्ञानानंदा दूसरी बार नॉर्वे चेस में खेल रहे थे। गुकेश 8 अंकों के साथ छठे (आखरी) स्थान पर रहे।

महिलाओं में कजाकिस्तान की बिबिसारा जीती

वहीं, महिलाओं में कजाकिस्तान की बिबिसारा आसाउबायेवा 16 .5 अंक के साथ विजेता रही। जबकि चीन की झू जिनेर दूसरे और यूक्रेन की अन्नामुजीचुक 15 पॉइंट के साथ तीसरे स्थान पर रही। जबकि भारत की दिव्या देशमुख पांचवे और कोनेरु हम्पी छठे स्थान पर रही।

क्या है नॉर्वे चेस का अर्मागेडन फॉर्मेट?

नॉर्वे चेस टूर्नामेंट हर साल होने वाले दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित और रोमांचक चेस टूर्नामेंट्स में से एक है। इस साल यह टूर्नामेंट 25 मई से 5 जून 2026 तक पहली बार नॉर्वे की राजधानी, ओस्लो में आयोजित किया गया था। इसमें ओपन और महिला कैटेगरी, दोनों में केवल 6-6 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था, जो आपस में दो-दो बार भिड़े। अगर दो खिलाड़ियों के बीच क्लासिकल मैच ड्रॉ होता है तो फैसला सडन-डेथ (अर्मागेडन) गेम से किया जाता है। इसमें सफेद मोहरों वाले खिलाड़ी को ज्यादा समय मिलता है, लेकिन उसे हर हाल में जीतना होता है।

वैभव सूर्यवंशी का भारतीय टीम में चयन

सबसे युवा क्रिकेटर बने, 15 साल, 71 दिन की उम्र में सिलेक्शन हुआ; श्रेयस टी-20 के नए कप्तान

इंटरनेशनल क्रिकेट के लिए चुने गए भारत के सबसे युवा खिलाड़ी

खिलाड़ी	पहली बार भारतीय टीम में नाम आने के दिन उम्र	पहला इंटरनेशनल मैच खेलने के दिन उम्र
वैभव सूर्यवंशी	15 साल 71 दिन	डेब्यू करना बाकी
शेफाली वर्मा	15 साल 220 दिन	15 साल 239 दिन
सचिन तेंदुलकर	16 साल 194 दिन	16 साल 205 दिन

वैभव सूर्यवंशी भारतीय क्रिकेट टीम में चुने गए अब तक के सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। 15 साल, 71 दिन के वैभव को जून-जुलाई में आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज के साथ-साथ सितंबर में होने वाले एशियन गेम्स के लिए चुना गया है। एशियन गेम्स में क्रिकेट के मुकाबले टी-20 फॉर्मेट में ही होते हैं। श्रेयस अय्यर टी-20 फॉर्मेट में भारत के नए कप्तान बनाए गए हैं। वर्ल्ड कप जीतने वाले सूर्यकुमार यादव से कप्तानी छीन ली गई है। उन्हें टीम से भी बाहर कर दिया गया है। तिलक वर्मा टी-20 टीम के उपकप्तान बनाए गए हैं।

वैभव ने 149 दिन के फासले से तोड़ा शेफाली का रिकॉर्ड

टीम में पहली बार सिलेक्शन होने के दिन सबसे कम उम्र के मामले में वैभव ने शेफाली वर्मा का रिकॉर्ड तोड़ा है। इससे पहले शेफाली पुरुष और महिला क्रिकेट मिलाकर भारतीय टीम के लिए चुनी जाने वाली सबसे युवा खिलाड़ी थीं। शेफाली जब पहली बार चुनी गई थीं, तब वह 15 साल, 220 दिन की थीं। वहीं, पुरुष क्रिकेटर्स में यह रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम था। सचिन 16 साल, 194 दिन की उम्र में भारतीय टीम में चुने गए थे।

सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाले भारतीय भी बन सकते हैं वैभव

शेफाली ने 15 साल 239 दिन की उम्र में भारत के लिए पहला मैच खेल लिया था। वहीं, सचिन ने 16 साल 205 दिन की उम्र में भारत के लिए डेब्यू किया था। वैभव को अगर इंग्लैंड-आयरलैंड टूर या एशियन गेम्स में एक भी मैच खेलने का मौका मिल जाता है तो वे शेफाली और सचिन दोनों को पीछे छोड़कर भारत के लिए खेलने वाले सबसे युवा क्रिकेटर बन जाएंगे।

पूरी टीम...

शुभमन गिल (कप्तान), श्रेयस अय्यर, रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, ईशान किशन, हार्दिक पंड्या, नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, हर्ष दुबे, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, कुलदीप यादव और गुरनूर बरार।

आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टी-20 टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा (उपकप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन, शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, वरुण चक्रवर्ती, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह और प्रिंस यादव।

एशियन गेम्स के लिए भारतीय टी-20 टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा (उपकप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन, शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह।

दुनिया के सबसे युवा खिलाड़ी नहीं बनेंगे वैभव

जर्सी की निया चार्लोट ग्रेग सबसे कम उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने वाली क्रिकेटर हैं। उन्होंने 2019 में 11 साल, 40 दिन की उम्र में पहला टी-20 इंटरनेशनल खेला था। उनेक नाम सबसे कम उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज है। पुरुषों में रोमानिया के मारियन गेरासिम सबसे कम उम्र में इंटरनेशनल डेब्यू करने वाले पुरुष क्रिकेटर हैं। उन्होंने 2020 में 14 साल और 16 दिन की उम्र में पहला टी-20 इंटरनेशनल खेला था। यानी वैभव दुनिया के सबसे युवा क्रिकेटर नहीं बन सकते।

सबसे कम उम्र में इंटरनेशनल डेब्यू करने वाले 5 भारतीय खिलाड़ी

खिलाड़ी	उम्र	फॉर्मेट	खिलाफ
शेफाली वर्मा	15 साल 239 दिन	टी20 इंटरनेशनल	साउथ अफ्रीका (2019)
सचिन तेंदुलकर	16 साल 205 दिन	टेस्ट	पाकिस्तान (1989)
जेमिमा रोड्रिग्स	17 साल 130 दिन	टी20 इंटरनेशनल	साउथ अफ्रीका (2018)
पार्थिव पटेल	17 साल 153 दिन	टेस्ट	इंग्लैंड (2002)
मिताली राज	17 साल 205 दिन	ODI	आयरलैंड (1999)

कोहली की जगह वनडे खेलेंगे जायसवाल

अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में विराट कोहली की जगह यशस्वी जायसवाल खेलेंगे। चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर ने बताया कि जायसवाल चोटिल कोहली को रिप्लेस करेंगे। विराट कोहली हैमिस्टिंग इंजरी के कारण इस सीरीज से बाहर हो गए हैं।

सूर्यवंशी ने इस आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाए

सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में सबसे ज्यादा 776 रन बनाए और ऑरेंज कैप का अवॉर्ड जीता। वैभव ने मोस्ट वैल्युएबल प्लेयर, इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द ईयर, सुपर स्ट्राइकर और सबसे ज्यादा छक्के लगाने का अवॉर्ड भी जीता। इस सीजन उन्होंने 36 गेंद पर शतक लगाया था, जबकि तीन बार 90 से 100 के बीच में आउट हुए थे।

श्रेयस की ढाई साल बाद टी-20 टीम में वापसी

श्रेयस ने भारत के लिए अपना आखिरी टी-20 मैच दिसंबर 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बेंगलुरु में खेला था। इसके बाद इसी साल जनवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में उन्हें इंजरी रिप्लेसमेंट के तौर पर शामिल किया गया था, लेकिन प्लेइंग-11 में खेलने का मौका नहीं मिला। अब लगभग ढाई साल बाद उनकी नेशनल टीम में वापसी हो रही है।

श्रेयस ने इस आईपीएल सीजन 498 रन बनाए

श्रेयस ने आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स के लिए 168.81 के स्ट्राइक रेट से 498 रन बनाए। इस सीजन उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ आईपीएल का अपना पहला शतक भी लगाया था। वे साल 2025 में पंजाब को फाइनल तक ले गए थे, जहां उन्होंने 604 रन बनाए थे। इससे पहले उन्होंने 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स को खिताब जिताया था और 2020 में दिल्ली कैपिटल्स को फाइनल में पहुंचाया था।

9 जून से शुरू होगा सद्गुरु स्वामी टेऊँराम महाराज का चालीहा महोत्सव

निसं

जयपुर (नवयत्न)। भक्ति, ज्ञान और अध्यात्म के प्रमुख केंद्र श्री अमरापुर स्थान में श्री प्रेम प्रकाश मंडल के संस्थापक आचार्य सद्गुरु स्वामी टेऊँराम महाराज का पावन श्चालीहा महोत्सव 9 जून मंगलवार से शुरू होकर 19 जुलाई 2026 तक पूरी श्रद्धा और भक्ति भाव से मनाया जाएगा। महोत्सव का शुभारंभ प्रात: 6 बजे श्री अमरापुर के श्री मंदिर में विद्वान पंडितों और संत-महात्माओं के सान्निध्य में होगा। इस अवसर पर श्री विग्रहों की विशेष पूजा-अर्चना की जाएगी, जिसमें हजारों श्रद्धालु शामिल होंगे। स्वामी मोहन लाल महाराज ने बताया कि चालीहा व्रत का अनुष्ठान करने वाले सभी भक्तों के लिए मंगलवार प्रात: 6 बजे की विशेष पूजा में सम्मिलित होना और रोली-मोली रक्षा सूत्र/कलावा बंधवाना अनिवार्य है। इस रक्षा सूत्र को 40वें दिन पूर्णाहुति के अवसर पर ही खोला जाएगा। महोत्सव के दौरान पूरे 40 दिनों तक श्री अमरापुर दरबार में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जाएंगे। प्रतिदिन श्री मंदिर और समाधि स्थल पर ऋतु पुष्पों से मनमोहक व अलौकिक श्रृंगार किया जाएगा। नित्य प्रतिदिन प्रात: 6 से 6 बजकर 40 मिनट तक विशेष हवन यज्ञ अनुष्ठान होगा। प्रतिदिन सुबह और शाम को प्रार्थना, भजन, सत्संग और सद्गुरु टेऊँराम कीर्तन के साथ सामूहिक चालीसा पाठ का आयोजन किया जाएगा। स्वामीजी ने बताया कि जो श्रद्धालु इस चालीहा अनुष्ठान का संकल्प लेंगे, उन्हें 40 दिनों तक कड़े नियमों का पालन करना होगा। प्रतिदिन घर पर सुबह-शाम दोनों समय चालीसा पाठ और आरती करना अनिवार्य है। चालीस दिन तक केवल एक समय भोजन प्रसादी ग्रहण करना होगा अथवा शनिवार का व्रत रखना होगा।

पेंशनरों के लिए समस्या समाधान शिविर 16 को

निसं

चूरू (नवयत्न)। पेंशन एवं पेंशनर्स कल्याण विभाग के निर्देशानुसार चूरू जिले के राज्य सरकार के पेंशनर एवं परिवार पेंशनर की समस्याओं के समाधान हेतु 10 जून को बीकानेर में तथा 16 जून को चूरू जिला मुख्यालय पर पेंशनर समस्या समाधान शिविर का आयोजन किया जाएगा। कोषाधिकारी प्रवीण कुमार सिंघल ने बताया कि जिले के पेशनरों की परिवार पेंशनरों की जन्म तिथि निर्धारण, नाम संशोधन, बकाया एरियर का भुगतान आदि परिवेदना संबंधित किसी प्रकार की समस्या हो तो वांछित दस्तावेज लेकर कोष कार्यालय, चूरू में उपस्थित होकर अपना अभ्यावेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

22 जून को सजेगा महिला शक्ति महा-वॉकथॉन का मंच

निसं

जयपुर (नवयत्न)। गुलाबी नगरी जयपुर की धरा एक बार फिर एक ऐतिहासिक और भव्य आयोजन की साक्षी बनने जा रही है। रॉयल राजपूत संगठन की ओर से आगामी 22 जून को महिलाओं के लिए एक विशाल महिला शक्ति महा-वॉकथॉन का आयोजन किया जा रहा है। सीकर रोड स्थित भवानी निकेतन प्रांगण में होने वाले इस गौरवशाली आयोजन को लेकर राजधानी की महिलाओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है। संगठन की प्रदेश अध्यक्ष ललितेश शेखावत ने आयोजन के मूल उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस महा-वॉकथॉन का मुख्य ध्येय महिला सशक्तिकरण को धरातल पर बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा इस आयोजन के माध्यम से हम महिलाओं के भीतर छिपी असीम ऊर्जा और प्रतिभा को समाज के सामने लाना चाहते हैं। यह महा-वॉकथॉन केवल एक वॉक नहीं, बल्कि महिला एकजुटता, उनके गौरव और आत्म-सम्मान का एक सशक्त संदेश होगा।

सुनवाई 19 जून को

सुरेन्द्र शर्मा

सीकर (नवयत्न)। सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड प्रथम सीकर के अधिशाषी अभियंता सुधीर कुमार ने बताया कि कोटपूतली-किशनगढ़ (ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे) के निर्माण कार्य के लिए पर्यावरण स्वीकृति के तहत क्षेत्रीय अधिकारी राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल किशनगढ़, अजमेर द्वारा 19 जून 2026 को सुबह 11 बजे पंचायत समिति खण्डेला, जिला सीकर में आमजन की सुनवाई आयोजित की जायेगी।

10 जून को सजेगा भव्य फूल बंगला

निसं

जयपुर (नवयत्न)। ब्रह्मपुरी स्थित माउंट रोड पर स्थित प्रसिद्ध श्री नहर के गणेश जी मंदिर में आगामी 10 जून, बुधवार को भव्य फूल बंगला उत्सव और भजन संध्या का आयोजन बेहद श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ किया जाएगा। यह धार्मिक आयोजन ब्रह्मलीन महंत पंडित रामेश्वर लाल महाराज की असीम कृपा से आयोजित हो रहा है, जिसे लेकर मंदिर प्रशासन और भक्तों में भारी उत्साह है। बुधवार को होने वाले इस उत्सव के तहत दिनभर विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का सिलसिला चलेगा, प्रात: 5 बजे: भगवान गणेश जी महाराज के सम्मुख भव्य फूल बंगला झांकी के दर्शन प्रारंभ होंगे। रंग-बिरंगे और सुगंधित फूलों से महराज का मनमोहक श्रृंगार किया जाएगा। शाम के समय विशाल भजन संध्या का आयोजन होगा, जिसमें ख्यातिलब्ध भजन गायकों द्वारा गणेश वंदना और सुरम्य भजनों की प्रस्तुतियां दी जाएंगी। सायं साढ़े 7 बजे: भजन संध्या के साथ ही मंदिर परिसर में विशाल प्रसादी का वितरण शुरू किया जाएगा। मंदिर प्रशासन के अनुसार, इस वार्षिक उत्सव में जयपुर शहर और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए उमड़ेंगे। फूलों की विशेष झांकी और भजनों के माध्यम से पूरा वातावरण धर्ममय हो उठेगा। प्रबंधन द्वारा कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और सभी भक्तों को इस भव्य आयोजन में शामिल होने का आमंत्रण दिया गया है।

पूर्व नेता प्रतिपक्ष राठौड़ ने आपणी योजना फेज प्रथम की व्यवस्थाओं और पुनर्गठन-संवर्धन कार्यों का किया निरीक्षण

निसं

तारानगर (नवयत्न)। पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने जल जीवन मिशन आपणी योजना फेज प्रथम के तहत कर्मशाना से तारानगर, चूरू तक होने वाली पानी आपूर्ति की सम्पूर्ण व्यवस्था का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं और पूरे सिस्टम की विस्तृत जानकारी ली।

इस दौरान राठौड़ ने गंधेली से ललानिया वाया कर्मशाना तक 35 किमी तक पानी की छीजत को रोकने के लिए खुली नहर की बजाय पाइप लाइन द्वारा होने वाली सप्लाई के कार्य का शिलान्यास भी किया। पूर्व नेता प्रतिपक्ष ने 846.96 करोड़ की लागत से आपणी योजना फेज प्रथम में होने वाले विभिन्न नवीनीकरण कार्य तथा जीर्णोद्धार-मरम्मत कार्य जिनसे चूरू एवं हनुमानगढ़ जिले के करीब 550 गांव तथा तारानगर, साहवा, चूरू, सरदारशहर, रतननगर, सुजानगढ़ शहर लाभान्वित होंगे, योजना का निरीक्षण करते हुए कार्यों की जानकारी ली तथा प्रस्तावित कार्य अतिशीघ्र जनहित में पूर्ण कर पानी व्यवस्था को सुदृढ़ और प्रभावी बनाने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। राठौड़ ने कहा कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री भजनलाल जी आधुनिक राजस्थान के भगीरथ है, मुख्यमंत्री जी एक ने हरियाणा सरकार से यमुना जल समझौता कर घर-घर और प्रत्येक खेत तक पानी पहुचाने के लिए ऐतिहासिक कार्य किया है, जिससे सबसे ज्यादा फायदा हमारे शेखावाटी और चूरू जिले को होगा। इसके अलावा आपणी योजना के प्रथम फेज के तहत 846.96 करोड़ की लागत से होने वाले पुनर्गठन एवं संवर्धन के कार्य भी हमारे चूरू जिले ही भी हनुमानगढ़ के लिए भी पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने में मील का पत्थर साबित होगा। निरीक्षण के दौरान राठौड़ ने पूर्ण में निर्मित कर्मशाना फिल्टर प्लांट, साहवा फिल्टर प्लांट तथा कर्मशाना, ललानिया, साहवा, डाबडी, भलाऊ टिब्बा हेडवर्कर्स की मरम्मत तथा पुरानी जर्जर पाइप लाइन बदलने के कार्यों की प्रगति की जानकारी अधिकारियों से ली। इस दौरान राठौड़ ने साहवा में जन स्वा. अभिविभाग के सहायक अभियंता कार्यालय को खोलने के लिए अधिकारियों को प्रस्ताव भेजने की बात कही और कहा कि अतिशीघ्र साहवा में नवीन सहायक अभियंता कार्यालय की स्वीकृति भी सरकार के माध्यम से दिलाई जाएगी।

भाजपा नेता राकेश जांगिड ने आपणी योजना फेज प्रथम के बारे में मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि इस परियोजना के अंतर्गत कर्मशाना में 800 एमएलडी क्षमता का रॉ वाटर रिजर्वायर तथा 2200 केएल का स्वच्छ जलाशय, साहवा में 600 एमएल डी तथा तारानगर में 640 एमएल डी रॉ वाटर रिजर्वायर, तारानगर में 14 एमएलडी फिल्टर प्लांट का निर्माण होना है। उक्त सब कार्यों का कार्य मई 2027 तक पूर्ण होना प्रस्तावित है उसके उपरांत हमारे तारानगर सहित चूरू जिले एवं हनुमानगढ़ जिले के कुछ भाग को पेयजल आपूर्ति में कोई समस्या नहीं होगी। इस दौरान चूरू विधायक हरलाल सहारण, पद्मभूषण देवेंद्र झाझड़िया, चन्द्राराम गुरी, भंवरलाल दादरवाल, अधिशासी अभियंता प्रकाश चौधरी, राजेश जांगिड, अजीतसिंह राठौड़, अनूप खंडेलवाल सहित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

नारी जागरण सम्मेलन आज

जयपुर (नवयत्न)। राष्ट्र निर्माण और समाज उत्थान में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने तथा महिला संगठन को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से 7 जून को एक दिवसीय नारी जागरण सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। अखिल विश्व गायत्री परिवार के तत्वावधान में होने वाला यह सम्मेलन ब्रह्मपुरी स्थित गायत्री शक्तिपीठ में सुबह 9 बजे से अपराह्न 4 बजे तक आयोजित होगा। गायत्री परिवार राजस्थान की सह-समन्वयक गायत्री कचोलिया ने कार्यक्रम की रूपरेखा साझा करते हुए बताया कि इस एक दिवसीय सम्मेलन को दो मुख्य सत्रों में विभाजित किया गया है। प्रथम सत्र में प्रबुद्ध वक्ताओं द्वारा महिला जागृति अभियान, संगठन विस्तार, संस्कार संवर्धन तथा सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रेरक उद्बोधन दिए जाएंगे। इसके साथ ही संगीतमय प्रस्तुतियों के माध्यम से नारी शक्ति के महत्व और उनकी रचनात्मक भूमिका को रेखांकित किया जाएगा। वहीं द्वितीय सत्र के अंतर्गत उपस्थित महिलाओं को विभिन्न समूहों में विभाजित किया जाएगा।

आठ दिवसीय वैदिक संस्कार एवं प्रशिक्षण शिविर आज से

सीकर (नवयत्न)। पिपराली स्थित वैदिक आश्रम में आठ दिवसीय वैदिक संस्कार एवं यज्ञ प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन स्वामी सुमेधानंद सरस्वती पूर्व सांसद के सान्निध्य एवं मार्गदर्शन में 7 से 14 जून तक होगा। पूर्व सांसद स्वामी सुमेधानंद सरस्वती के निजी सचिव ओम सिंह ने बताया कि शिविर में वैदिक विद्वान आचार्य रामगोपाल शास्त्री फतेहपुर एवं आचार्य वृद्धिचंद कोटा द्वारा यज्ञ-विधि, वैदिक संस्कारों तथा भारतीय संस्कृति से संबन्धित व्यावहारिक एवं सैद्धांतिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आठ दिन चलने वाले इस आयोजन में यज्ञ प्रशिक्षण सुबह 8 से 9 एवं सायं 6:30 से 7:30 बजे तक होगा। संस्कार प्रशिक्षण सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक एवं सायं 4 से 6 बजे तक होगा। शिविर में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के आवास एवं भोजन की समुचित व्यवस्था वैदिक आश्रम पिपराली की ओर से निशुल्क की जाएगी।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2026 के लिए ऑनलाइन आवेदन 31 जुलाई तक

सुरेन्द्र शर्मा

सीकर (नवयत्न)। सहायक निदेशक जिला बाल संरक्षण इकाई एवं बाल अधिकारिता विभाग, सीकर गार्गी शर्मा ने बताया कि भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार बच्चों को विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया जाता है। उन्होंने बताया कि जिले में 31 जुलाई 2026 तक 18 वर्ष से कम आयु के ऐसे बालक एवं बालिकाएं, जिन्होंने वीरता, समाज सेवा, पर्यावरण, खेल, कला एवं संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किया है, वे प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2026 के लिए नामांकन के पात्र हैं। उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2026 हेतु उपयुक्त नामांकन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक बालक एवं बालिकाएं राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल के माध्यम से 31 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

पद्म पुरस्कार 2027 के लिए ऑनलाइन आवेदन 15 जुलाई तक आमंत्रित

सुरेन्द्र शर्मा

सीकर (नवयत्न)। अतिरिक्त जिला कलेक्टर शहर भावना शर्मा ने बताया कि प्रत्येक वर्ष गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर देश के प्रतिष्ठित पद्म पुरस्कारों की घोषणा की जाती है। इसी क्रम में पद्म पुरस्कार 2027 के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 15 मार्च 2026 से प्रारंभ हो चुकी है, जिसकी अंतिम तिथि 15 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि पद्म पुरस्कार के लिए आवेदन केवल राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन ही स्वीकार किए जाएंगे।

बरसों बाद पीहर पहुंचीं बहन-बेटियां

महिला सशक्तिकरण, शिक्षा और सामाजिक एकता पर हुआ मंथन

निसं

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। ग्राम लिसाड़िया में 6 एवं 7 जून को आयोजित दो दिवसीय उदयभान शेखावत बाईसा राज स्नेह मिलन समारोह का शनिवार को शुभारंभ हुआ। समारोह में राजस्थान सहित विभिन्न राज्यों से आई विवाहित बहन-बेटियों का पारंपरिक राजस्थानी रीति-रिवाजों के साथ स्वागत किया गया। वर्षों बाद अपने पीहर, गांव और बचपन की सहेलियों से मिलकर कई महिलाओं की आंखें नम हो गई, वहीं पुरानी यादों और हंसी-ठिठोली के बीच पूरे परिसर में भावनाओं और अपनत्व का अनूठा संगम देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से हुई। इसके बाद महिलाओं ने आपसी परिचय, संवाद और स्मृतियों को साझा करते हुए पुराने रिश्तों को फिर से जीवंत किया। कई प्रतिभागियों ने बताया कि वर्षों बाद अपने गांव और बचपन के साथियों से मिलना उनके लिए अविस्मरणीय अनुभव रहा। समारोह में समाज के प्रबुद्धजन, वरिष्ठ नागरिक और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस दौरान महिला सशक्तिकरण, बालिका शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग आरक्षण तथा समाज की बेटियों को शिक्षा और रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि समाज की बेटियों को शिक्षा और जागरूकता के माध्यम से आगे बढ़ाने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। आयोजकों ने बताया कि बदलते दौर में पारिवारिक और सामाजिक रिश्तों के बीच बढ़ती दूरियों को कम करने तथा नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति, परंपराओं और सामाजिक मूल्यों से जोड़ने के उद्देश्य से इस स्नेह मिलन का आयोजन किया गया है। सम्मेलन केवल मेल-मिलाप का मंच नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, पारिवारिक मूल्यों और सांस्कृतिक संरक्षण का भी सशक्त माध्यम बन रहा है। आयोजन के दौरान हुए बौद्धिक संवाद समाज की वर्तमान परिस्थितियों और चुनौतियों पर आधारित रहे। वक्ताओं ने कहा कि ऐसे आयोजनों से दूसरी और तीसरी पीढ़ी की वे महिलाएं, जो विशेष अवसरों पर ही अपने गांव आ पाती हैं, उन्हें एक मंच पर एकत्रित होने और अपने गांव, परिवार तथा पुरानी यादों से दोबारा जुड़ने का अवसर मिलता है। अलग-अलग स्थानों पर विवाह के बाद रहने वाली महिलाओं के बीच पुन: संवाद स्थापित होता है और सामाजिक रिश्तों की डोर और अधिक मजबूत बनती है।

दो दिवसीय समारोह के दौरान सामाजिक संवाद, पारंपरिक राजस्थानी भोजन, भजन संध्या, देव दर्शन, ग्राम भ्रमण, महिला प्रतिभा एवं खेल प्रतियोगिताओं के साथ विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में शामिल महिलाओं ने राजस्थानी लोक संस्कृति, रीति-रिवाजों और पारिवारिक परंपराओं को सहेजने तथा आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का संकल्प भी दोहराया। सम्मेलन में उपस्थित लोगों का कहना था कि ऐसे आयोजन रिश्तों में नई ऊर्जा भरने के साथ समाज को एकजुट करने का कार्य करते हैं। पूरे आयोजन में रिश्तों की गर्माहट, अपनत्व की मिठास, सामाजिक सरोकारों की चिंता और राजस्थानी संस्कृति की अनूठी छटा देखने को मिली।

न्यायालय अपर जिला न्यायाधीश क्र.सं. 01 खेतड़ी

पत्रांक संख्या दिनांक

निमित्त

रामबाई बनाम राजवीर आदि

आवेदन पत्र अर्न्तगत धारा 372
भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका रामबाई पुत्री स्व. मनरूप पत्नी हरिसिंह निवासी रायपुर जाटान हाल वार्ड नम्बर 05 खानपुर तह. बुहाना जिला झुंझुनू राज. द्वारा माननीय न्यायालय के समक्ष धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम के अर्न्तगत उत्तराधिकार प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतू आवेदन प्रस्तुत किया गया है यह आवेदन आवेदक का माताजी रजवण का पती सैन्य संख्या-3137676 स्व. मनरूप का दिनांक 16.04.2023 को निधन हो गया है आवेदिका मनरूप की विधवा रजवण का भी निधन हो गया है आवेदिका पुत्री उसकी विधवा पुत्री है उसके स्थान पर विधवा पुत्री पेंशन प्राप्त करने तथा आवेदिका की माताजी रजवण के नाम से माताजी रजवण का बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा घरडाना खुर्द तह. बुहाना की खाता सं. 20590100001459 में आवेदिका की माताजी के 14800/- रू. अंकेही चौदह हजार आठ सौ राशी जमा हैं उन्हे प्राप्त करने हेतु आवेदन किया है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त आवेदन के संबंध में कोई अपत्ति हो तो वह इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिवस के भीतर-2 समाननीय न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत हेतु दिनांक 20/7/26 को पेश कर सकता है। अन्यथा नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। यह इश्तहार आज दिनांक 02/05/26 को न्यायालय के हस्ताक्षर एवं मोहर सहित जारी किया गया है।

न्यायालय अपर जिला न्यायाधीश क्र.सं. 1 खेतड़ी
जिला झुझुनूं (राज.)

नाम परिवर्तन

मैंने मेरा नाम सलमान से बदलकर सलमान खान रख लिया है। अत: भविष्य में मुझे सलमान खान के नाम से जाना व पहचाना जावें।

सलमान खान पुत्र मोहम्मद इकबाल
निवासी-मोहल्ला बटवालान, वार्ड नं. 17, झुंझुनू,
तहसील व जिला-झुंझुनू (राज.)

कार्यालय ग्राम पंचायत बागोरिया की ढाणी
पं. स. नवलगढ़ जिला झुन्झुनूं

क्रमांक :- ग्रा.प./लेखा/निविदा/2026-27/27 दिनांक :- 04-06-2026

ई-निविदा सूचना 2026-27

इस कार्यालय द्वारा ई-निविदा आंमत्रित की गयी है निविदा की विस्तृत सूचना एवं शर्ते http://sppp.rajasthan.gov.in पोर्टल एवं http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

ई-निविदा संख्या	कार्य का नाम	अनुमानित राशि लाखों में	NIB CODE	UBN CODE	TENDER ID
1	निर्माण साम्रगी आपूर्ति हेतु ई-निविदा वित वर्ष 2026-27	50.00	ZJU2627A 0266	ZJU2627GLRC 00457	2026_PRD_ 565368_1

प्रशासक
ग्राम पंचायत बागोरिया की ढाणी
पं. स. नवलगढ़ (झुंझुनूं)

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत बागोरिया की ढाणी
पं. स. नवलगढ़ (झुंझुनूं)

कार्यालय ग्राम पंचायत बिरोल
पं. स. नवलगढ़ जिला झुन्झुनूं

क्रमांक :- ग्रा.प./लेखा/निविदा/2026-27/23 दिनांक :- 04-06-2026

ई-निविदा सूचना 2026-27

इस कार्यालय द्वारा ई-निविदा आंमत्रित की गयी है निविदा की विस्तृत सूचना एवं शर्ते http://sppp.rajasthan.gov.in पोर्टल एवं http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

ई-निविदा संख्या	कार्य का नाम	अनुमानित राशि लाखों में	NIB CODE	UBN CODE	TENDER ID
1	निर्माण साम्रगी आपूर्ति हेतु ई-निविदा वित वर्ष 2026-27	40.00	ZJU2627A 0265	ZJU2627GLRC 00456	2026_PRD_ 565370_1

प्रशासक
ग्राम पंचायत बिरोल
पं. स. नवलगढ़ (झुंझुनूं)

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत बिरोल
पं. स. नवलगढ़ (झुंझुनूं)

राष्ट्रीय स्तर पर झुंझुनू का दबदबा, पायनियरिंग एवं फर्स्ट एड कोर्स में रही सहभागिता

जयशंकर जांगिड़

झुंझुनू (नवयत्न)। भारत स्काउट गाइड राष्ट्रीय मुख्यालय नई दिल्ली के तत्वावधान में आयोजित पायनियरिंग एवं फर्स्ट एड कोर्स का आयोजन राष्ट्रीय प्रशिक्षण केंद्र पंचमढ़ी मध्य प्रदेश पर आयोजित किया गया। झुंझुनू जिले के अलसीसर से रामदेव सिंह गढ़वाल सहायक लीडर ट्रेनर व महेश कुमार, बुहाना ब्लॉक से नरेश सिंह तंवर सहायक लीडर ट्रेनर एवं सुरेश कुमार यादव, नवलगढ़ से शिवप्रसाद वर्मा सहायक लीडर ट्रेनर ने राष्ट्रीय स्तरीय पायनियरिंग व फर्स्ट एड कोर्स में संचालक दल में सहभागिता करते हुए पूरे राष्ट्र से आए हुए प्रशिक्षु स्काउटर गाइडर को ट्रेनिंग प्रदान की । सी.ओ.स्काउट महेश कालावत ने बताया कि पायनियरिंग एवं फर्स्ट एड कोर्स में भारतवर्ष के ट्रेनर्स को स्पेशल स्किल में दक्ष करने हेतु इन शिविरों का आयोजन किया जाता है। यह झुंझुनू का सौभाग्य है कि झुंझुनू जिले से न केवल ट्रेनिंग लेने हेतु राष्ट्रीय प्रशिक्षण केंद्र जाते हैं अपितु झुंझुनू के ट्रेनर्स के मांग राष्ट्रीय स्तर पर भी है। इस विशिष्ट उपलब्धि पर मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार शर्मा, जिला प्रशिक्षण आयुक्त चिरंजीलाल शर्मा, हेडक्वार्टर कमिश्नर रामावतार सबलानिया, जिला प्रधान गंगाधर सिंह सुंडा प्रसन्नता व्यक्त की।

गोपालपुरा में वन स्टॉप लीगल एड क्लिनिक जारी

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चूरू के निर्देश अनुसार तालुका विधिक सेवा समिति सुजानगढ़ के ग्राम पंचायत गोपालपुरा में स्थापित वन स्टॉप लीगल एड क्लिनिक की सेवाएं लगातार जारी हैं। विधिक सेवाएं व लाभ जन जन तक पहुंचाने हेतु विधिक सेवा केंद्र पर अधिकार मित्र कमल कुमार भार्गव अपनी सेवाएं दे रहे हैं। पीएलवी नागरिकों को विधिक संस्थाओं, योजनाओं व वेकल्पिक विवाद निस्तारण तकनीक लोक अदालत, मध्यस्थता के उपयोग व लाभों के बारे में बता रहे हैं। साथ ही नालसा, रालसा द्वारा संचालित नि:शुल्क विधिक सेवाओं, पीड़ित प्रतिकर स्कीम के विषय में भी जागरूकता फेला रहे हैं। नागरिकों को पात्रता अनुसार विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने व आवेदन में भी सहयोग कर रहे हैं। इसी प्रकार सुजानगढ़ में पीएलवी विजय पाल श्योराण ने राजीव गाँधी कॉलोनी, गाँधी आश्रम के सामने बाल विवाह निषेध कानून और बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में बताते हुए विधिक जागरूकता अभियान चलाया। विजय पाल ने कहा कि 18 साल से कम उम्र की लड़की या 21 साल से कम उम्र के लड़के का विवाह करना दंडनीय अपराध है और सामाजिक कुरीति है। इससे बच्चों की पढ़ाई छूट सकती है। राजीव गाँधी कॉलोनी के निवासियों ने पीएलवी के सामने हर समय जल भराव की समस्या के समाधान में नगर परिषद की घोर लापरवाही पर गहरा आक्रोश प्रकट किया और बताया कि अनेक बार ज्ञापन देने, 181 पर परिवाद और एसडीएम की जन सुनवाई में परिवाद देने के बाद भी पानी निकासी व्यवस्था नहीं होने से लोक स्वास्थ्य व लोक सुरक्षा दोनों खतरे में हैं।

संडेज ऑन साइकिल अभियान आज

सुरेन्द्र शर्मा

सीकर (नवयत्न)। सीकर पुलिस द्वारा आयोजित संडेज ऑन साइकिल अभियान का आयोजन 7 जून को प्रात: 6 बजे पुलिस लाइन सीकर के परेड ग्राउंड में किया जाएगा। प्रभारी पुलिस नियंत्रण कक्ष, जिला सीकर राजेश गजराज ने बताया कि आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में साइकिलिंग के साथ-साथ योगा, जुम्बा एवं रोप स्किपिंग जैसी विभिन्न स्वास्थ्यवर्धक गतिविधियों का भी आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ सीकर शहर के सीएलजी सदस्य, ग्राम रक्षक, सुरक्षा सखी, गणमान्य नागरिक तथा विभिन्न स्कूलों एवं महाविद्यालयों के छात्र-छात्राएं भाग लेंगे।

युवक की संदिग्ध मौत के बाद लोगों ने किया थाने का घेराव

जयपुर (नवयत्न)। ट्रांसपोर्ट नगर थाना क्षेत्र में एक सार्वजनिक शौचालय में युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद स्थानीय लोगों का गुस्सा फुट पड़ा। घटना के विरोध में लोगों ने ट्रांसपोर्ट नगर थाने का घेराव कर क्षेत्र में कथित रूप से चल रहे नशे के कारोबार पर रोक लगाने और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। पुलिस के अनुसार दौसा जिले के बनेठा निवासी कुलदीप गुर्जर 28 शुक्रवार को ट्रांसपोर्ट नगर चौराहे स्थित सार्वजनिक शौचालय में गया था। काफी देर तक बाहर नहीं निकलने पर शौचालय कर्मियों ने टैक्सी चालकों की मदद से दरवाजा तोड़ा। अंदर युवक अचेत अवस्था में सीट पर बैठा मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस उसे तत्काल एसएमएस अस्पताल लेकर गई, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौके पर शौचालय के भीतर स्मैक और नशे के इंजेक्शन भी पड़े मिले। प्रारंभिक जांच में युवक की मौत नशे के ओवरडोज से होने की आशंका जताई जा रही है।

पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है तथा मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ट्रांसपोर्ट नगर थानाधिकारी अरुण कुमार ने बताया कि मृतक नशे का आदी था। शुक्रवार दोपहर उसके चाचा उसे नशा मुक्ति के लिए दवा दिलाने जयपुर लाए थे, लेकिन वह मौका पाकर उनसे अलग हो गया था। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग थाने पहुंच गए और प्रदर्शन शुरू कर दिया।

अचानक बदला मौसम, तेज धूल भरी आंधी के बाद हुई हल्की बूंदाबांदी

नंदलाल गौड़

लोसल (नवयत्न)। शेखावाटी अंचल में मानसून दस्तक देने से पहले मौसम का बदलता स्वरूप आंधी तूफान के रूप में देखने को मिल रहा है । शनिवार शाम अचानक मौसम ने यहां पर करवट बदलने से जोरदार आंधी आने से एक बार तो लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पहले तेज धूल भरी आंधी चली, जिससे कुछ देर के लिए जनजीवन प्रभावित हो गया। आंधी के कारण सड़कों पर धूल का गुबार छा गया और वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। आंधी के बाद मौसम सुहावना हो गया और हल्की बूंदाबांदी शुरू हुई। बूंदाबांदी से लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली। लंबे समय से गर्म हवाओं और तेज धूप से परेशान लोग मौसम में आए इस बदलाव से खुश नजर आए।

आंधी के दौरान बाजार क्षेत्र में दुकानदारों ने सामान को सुरक्षित करने के लिए एहतियात बरती, वहीं राहगीरों ने सुरक्षित स्थानों पर शरण ली। हल्की बारिश के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई और वातावरण में ठंडक घुल गई। मौसम में आए इस अचानक परिवर्तन से किसानों और आमजन में राहत का माहौल है। हालांकि तेज आंधी के कारण कुछ स्थानों पर पेड़ों की टहनियां टूटने और बिजली आपूर्ति प्रभावित होने की भी सूचना मिली है। प्रशासन ने लोगों से खराब मौसम के दौरान सावधानी बरतने की अपील की है।

जिला स्तरीय प्राकृतिक खेती कार्यशाला आयोजित

निसं

चूरू (नवयत्न)। जिले के निकटवर्ती गांव ढाढर में शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में केंद्र सरकार की 12 वर्षों की ऐतिहासिक उपलब्धियों के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय प्राकृतिक खेती कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर चूरू विधायक हरलाल सहारण ने शिरकत कर किसानों से संवाद किया। विधायक सहारण ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने 12 वर्षों में किसानों, युवाओं, महिलाओं के विकास और समृद्धि की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत बनाने के संकल्प को साकार करने की दिशा में हम आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने किसानों को उर्वरकों के संतुलित उपयोग से मृदा संरक्षण तथा खेती, मिट्टी, पानी की सुरक्षा के प्रति जागरूक रहकर खेती लागत कम करने, उत्पादन बढ़ाने और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करने का आह्वान किया। आत्मा परियोजना निदेशक डॉ राजकुमार कुल्हरी ने किसानों को ग्रीष्म ऋतु में गहरी जुताई, खेत की मेड़बंदी और नीम आधारित कीटनाशकों के उपयोग व जैव उर्वरकों जैसे राइजोबियम, पीएसबी, अजोटोबैक्टर के प्रयोग की जानकारी दी। कृषि संयुक्त निदेशक डॉ धर्मवीर डूडी ने परंपरागत और प्राकृतिक खेती के तरीकों के बारे में विस्तार से जानकारी साझा की। उन्होंने वैकल्पिक उर्वरकों एवं संतुलित पोषक प्रबंधन पद्धतियों के उपयोग हेतु जागरूकता बढ़ाने, यूरिया और डीएपी के विकल्प के रूप में एनपीके, एसएसपी उर्वरकों के साथ-साथ जैव उर्वरक, नैनो उर्वरक, जैविक खाद और सूक्ष्म पोषक तत्वों की उपलब्धता बढ़ाने की जानकारी दी। कार्यशाला में नारायण बेनीवाल, सुभाष, पंकज गुर्जर, सूबेदार हरिश्चंद्र, बजरंग कस्वां, केसराराम, सुखराम स्वामी सहित कृषि विभाग अधिकारी, कर्मचारी, किसान एवं महिला कृषक उपस्थित रहे।

उपखण्ड अधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर वैन को किया रवाना

नवरतन वर्मा

रतनगढ़ (नवयत्न)। रतनगढ़ में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए सास टेक ई-वेस्ट रिसाइक्लिंग सॉल्यूशन्स द्वारा ई-वेस्ट कलेक्शन ड्राइव का शुभारम्भ उपखण्ड अधिकारी मिथिलेश कुमार ने ई-वेस्ट कलेक्शन वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उपखण्ड अधिकारी मिथिलेश कुमार ने कहा कि बढ़ते ई-वेस्ट को सही तरीके से निस्तारित करना आज की आवश्यकता है। इलेक्ट्रॉनिक कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आमजन को ई-वेस्ट को इधर-उधर फेंकने के बजाय अधिकृत रिसाइकलर तक पहुंचाना चाहिए। सास टेक ई वेस्ट रिसाइक्लिंग सॉल्यूशन्स के महेश सैनी ने बताया कि इस अभियान के तहत ई-वेस्ट कलेक्शन वैन शहर में घर-घर जाकर लोगों को ई-वेस्ट के सही निस्तारण के प्रति जागरूक करेगी तथा पुराने मोबाइल, कंप्यूटर, टीवी, प्रिंटर, बैटरी, केबल सहित सभी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक कचरे का संग्रहण करेगी। नागरिकों को उनके ई.वेस्ट के बदले उचित मूल्य भी दिया जाएगा। गोविंद बारहट ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार या संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक की भागीदारी जरूरी है। ई-वेस्ट को सही जगह पहुंचाकर हम आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण बना सकते हैं। इस अवसर पर प्रशांत तंवर, मुकेश सिंह, गोपीराम सैनी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

साइबर क्राइम अधिकारी बनकर ई-मित्र संचालकों से मांगी रिश्वत

जयपुर (नवयत्न)। कालवाड़ थाना क्षेत्र में खुद को साइबर क्राइम शाखा का अधिकारी बताकर दो ई-मित्र संचालकों से रिश्वत मांगने का मामला सामने आया है। आरोपी ने साइबर अपराधियों की सूची में नाम होने का डर दिखाकर रुपए की मांग की और रकम नहीं देने पर जेल भेजने की धमकी दी। पीड़ितों की शिकायत पर कालवाड़ थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच अधिकारी एएसआई फुलाराम ने बताया कि दौसा जिले के बसवा निवासी राहुल योगी 22 ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। राहुल कालवाड़ क्षेत्र में ई-मित्र राजस्थान ग्रामीण कियोस्क संचालित करता है। उसके परिचित राकेश की भी पास में ई-मित्र कियोस्क है। रिपोर्ट के अनुसार 22 मई से प्रवीण नामक व्यक्ति ई-मित्र केंद्र पर आने-जाने लगा था। उसने स्वयं को साइबर क्राइम ब्रांच जयपुर का अधिकारी बताया और विश्वास दिलाने के लिए कथित पुलिस पहचान पत्र भी दिखाया। नियमित रूप से आने-जाने के कारण उसकी दोनों संचालकों से पहचान हो गई। बुधवार शाम करीब 5:30 बजे आरोपी ई-मित्र केंद्र पर पहुंचा और राहुल से राकेश को भी बुलाने के लिए कहा।

कैंसर जांच एवं स्क्रीनिंग शिविर आयोजित

निसं

टमकोर (नवयत्न)। टमकोर स्थित महात्मा महाप्रज्ञ हॉस्पिटल में राजस्थान ग्रामीण बैंक के सौजन्य में आचार्य तुलसी कैंसर रीजनल सेंटर, प्रिंस बिजय सिंह मेमोरियल हॉस्पिटल, बीकानेर के तत्वावधान में कैंसर जांच एवं स्क्रीनिंग शिविर का सफल आयोजन किया गया। हॉस्पिटल निदेशक अजित जैन व राजस्थान ग्रामीण बैंक टमकोर शाखा प्रबंधक राजेश बियानिया ने बताया कि शिविर का शुभारंभ प्रात: 10 बजे किया गया। मुख्यातिथि राजस्थान ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक अजय कस्वां रहे। संचालन निर्देश ट्रस्टी चिकित्सा प्रभारी जेठमल बोथरा, व्यवस्था प्रभारी जतनमल नौलखा तथा टीम प्रभारी एवं कैंसर विशेषज्ञ डॉ लोकेश कुड़ी के मार्गदर्शन में किया गया। शिविर में कैंसर विशेषज्ञ डॉ आदित्य एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ नीतू, डॉ शीशम चौधरी, दन्त रोग विशेषज्ञ डॉ भूपेंद्र शेखावत ने सेवाएं दी। शिविर में कुल 124 लाभार्थियों की जांच की गई। महिलाओं की बच्चेदानी (सर्वाइकल कैंसर) जांच, गले की जांच, मैमोग्राफी एवं एक्स-रे सहित विभिन्न प्रकार की स्क्रीनिंग की गई। पुरुषों में गले की जांच एवं छाती के एक्स-रे सहित कुल 55 जांचें की गईं। जांच के दौरान 5 हाई-रिस्क मरीजों की पहचान की गई जिन्हें आगे की विस्तृत जांच एवं उपचार हेतु बीकानेर स्थित उच्च केंद्र (ऑन्कोलॉजी विभाग) में बुलाया गया है। यह शिविर शनिवार प्रात: 10 बजे से सायं 4 बजे तक आयोजित किया गया। महात्मा महाप्रज्ञ हॉस्पिटल टमकोर के प्रभारी अजीत जी चोराड़िया ने कैंसर वैन टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के शिविरों से ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को टीबी एवं कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की समय पर जांच एवं उपचार का लाभ मिलता है। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी स्वास्थ्य शिविरों के आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया, जिससे अधिकाधिक लोगों को प्रारंभिक अवस्था में रोगों की पहचान एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध हो सके। इस मौके पर विकास रांका, रघुवीर धेतरवाल, संपत जांगिड़, तनसुख स्वामी, संतोष शर्मा, ग्रामीण बैंक के सहायक प्रबंधक प्रदीप कानलोत, प्रदीप कुमावत, राकेश कुमार, विकास नैन, ओमप्रकाश, मनोज शर्मा, नरेश, अरविंद कुमार, सुनील कुमार, बाबूलाल आदि मौजूद रहे।

सप्त शक्ति कमांड सम्मेलन में हुई भविष्य की सैन्य तैयारियों पर चर्चा

निसं

जयपुर (नवयत्न)। जयपुर में सप्त शक्ति कमांड की दो दिवसीय फॉर्मेशन कमांडर्स कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता सप्त शक्ति कमांड के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने की। कॉन्फ्रेंस में वर्तमान सुरक्षा परिदृश्य, सामरिक चुनौतियों और तकनीकी बदलावों के प्रभावों पर व्यापक चर्चा करते हुए भविष्य की रणनीतियों और बेहतर ऑपरेशनल तैयारियों पर विचार.विमर्श किया गया। जनसंपर्क अधिकारी रक्षा राजस्थान लेफ्टिनेंट कर्नल निखिल धवन ने बताया कि सम्मेलन में अत्याधुनिक तकनीकों को अपनाने, सैन्य आधुनिकीकरण, साइबर सुरक्षा, क्षमता निर्माण और आत्मनिर्भरता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही बदलते सुरक्षा परिवेश के अनुरूप युद्धक क्षमता को और सुदृढ़ बनाने के उपायों पर भी चर्चा हुई। कॉन्फ्रेंस के दौरान वर्तमान सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की गई तथा ऑपरेशनल और तकनीकी क्षेत्रों में हो रहे परिवर्तनों के प्रभावों का आकलन किया गया। विचार-विमर्श का केंद्र भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप समाधान विकसित कर कमान की उच्च स्तरीय ऑपरेशनल तत्परता बनाए रखने पर रहा। आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने कमांडरों को संबोधित करते हुए बदलते खतरे के परिदृश्य से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए तकनीक आधारित समाधानों और उभरती प्रौद्योगिकियों के उपयोग पर बल दिया। उन्होंने कहा कि व्यापक आकलन पर आधारित व्यावहारिक, सुनियोजित एवं मूल्यांकन-आधारित प्रशिक्षण से ऑपरेशनल दक्षता और मिशन की प्रभावशीलता को और बेहतर बनाया जा सकता है। कॉन्फ्रेंस के अंतर्गत विभिन्न सैन्य टुकड़ियों में व्यावसायिकता, नवाचार और प्रतिस्पर्धात्मक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित पहलों की भी समीक्षा की गई। ड्रोन सब-यूनिट प्रतियोगिता, अंतर-फॉर्मेशन स्पोर्ट्स प्रतियोगिता तथा जनरल जे.जे. सिंह निशानेबाजी प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टीमों और प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। आर्मी कमांडर ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान करते हुए उनके समर्पण, व्यावसायिकता और प्रतिस्पर्धात्मक भावना की सराहना की तथा सभी प्रतिभागियों को बधाई दी।

जिला औषधि भंडार का किया निरीक्षण

सुरेन्द्र शर्मा

सीकर (नवयत्न)। राजकीय चिकित्सा सेवा निगम जयपुर के विशेषाधिकारी जयसिंह द्वारा शनिवार को जिला मुख्यालय पर स्थिति जिला औषधी भण्डार का निरीक्षण किया। जिला औषधि भंडार के प्रभारी अधिकारी डॉ सीपी ओला ने उनको दवाईयों के भंडारण एवं समुचित आपूर्ति, रखरखाव की जानकारी दी। उन्होंने सफाई व्यवस्था, सिविल वर्क, मानव संसाधन उपलब्धता एवं स्तरीय दवा भंडारण व्यवस्था संबंधी समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।